केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो भारतीय बस्ती दैनिक वेब
www.bhartiyabasti.com
और उसका छपा संस्करण सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो० 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com के लिये विज्ञापन बुक कराये।
विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम सम्पर्क
मो० 9450567450
9336715406

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :46 अंक 08 शनिवार 27 जुलाई 2024 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

मण्डलायुक्त, डीआईजी ने किया कांवड यात्रा तैयारियों का निरीक्षण

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती । श्रावण माह में कावड़ यात्रा कार्यक्रम को देखते हुए मंडलाायुक्त अखिलेश सिंह एवं आईजी आर.के. भारद्वाज ने बस से व्यवस्था में लगे अधिकारियों के साथ भदेश्वरनाथ मंदिर से राष्ट्रीय राजमार्ग 28 पर जिले की सीमा घघौआ तक जाकर मार्ग का निरीक्षण किया। उन्होंने स्थान–स्थान पर पेड़ों की छटाइ, बिजली के ढीले तारों को सही करने, सड़क को गड्ढा मुक्त करने एवं समुचित प्रकाश की व्यवस्था कराने के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया है। उन्होंने कहा कि सभी कार्य समय से पूरे कर लिए जाएं। इसके मद्देनजर होटल, धर्मशाला आदि की नियमित चेकिंग पुलिस विभाग द्वारा की जाए। सुरक्षा की दृष्टिकोण से मजिस्ट्रेट तथा पुलिस अधिकारियों की फोर्स के साथ ड्यूटी लगाई जाए।

निरीक्षण के दौरान उन्होंने स्थान–स्थान पर पड़े कूड़ा हटवाने का निर्देश दिया है। उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि राष्ट्रीय राजमार्ग के किनारे सड़क की पटरी पर कहीं भी बिल्डिंग मटीरियल बालू , मोरंग, गिट्टी ना रखा जाए। उन्होंने स्थान–स्थान पर सड़क के किनारे अतिक्रमण हटाने का भी निर्देश दिया। उन्होंने यह भी निर्देश दिया है कि सड़क के किनारे कोई भी गाड़ी पार्क ना हो ताकि आवागमन को सुचारू रूप से संचालित किया जा सके।

1 अगस्त से प्रभावी होगा अचल सम्पत्तियों का नया मूल्यांकन

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती । जनपद हेतु अचल सम्पत्तियों के मूल्यांकन के लिए नई पुनरीक्षित मूल्यांकन सूची आगामी 1 अगस्त 2024 से प्रभावी होने जा रही है, की संशोधित प्रस्तावित मूल्यांकन सूची तैयार कर ली गयी है। उक्त जानकारी देते हुए अपर जिलाधिकारी (वि. / रा.) प्रतिपाल चौहान ने बताया है कि जो जन्सामान्य के अवलोकनार्थ उनके कार्यालय, सहायक महानिरीक्षक निबन्धन एवं समस्त सम्बन्धित उप निबन्धक कार्यालय में उपलब्ध है।

उन्होने जन्सामान्य से अपेक्षा किया है कि जनपद बस्ती की अचल सम्पत्तियों के मूल्यांकन हेतु तैयार की गयी प्रस्तावित मूल्यांकन सूची का अवलोकन कर लें और उक्त प्रस्तावित मूल्यांकन सूची में निर्धारित न्यूनतम दरों के सम्बन्ध में जिस किसी को भी किसी प्रकार की आपत्ति / सुझाव हो, तो वह अपनी तर्क संगत एवं साक्ष्य जनित आपत्ति / सुझाव 29 जुलाई तक किसी भी कार्य दिवस में उपरिवर्णित कार्यालयों में प्रस्तुत कर सकता है।

अमहट घाट के पास मिली युवक की लाश

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती। नगर थाना क्षेत्र के अमहट पुल के पास एक युवक की लाश पुलिस ने कुआनो नदी के पास से बरामद किया है। फुटहिया चौकी प्रभारी ओमप्रकाश मिश्र ने बताया कि शव की शिनाख्त कर ली गई है।

नगर थानाक्षेत्र के कन्हौली गांव के सुग्रीव ने मौके पहुंच कर शव की पहचान सुलेमान (27) निवासी कन्हौली के रूप के रूप में की है। वह मन्दबुद्धि का बताया गया है। उसके माता–पिता की पहले ही मौत हो चुकी है। चार भाइयों में सबसे छोटा था। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है पीएम रिपोर्ट के आने बाद मौत की वजह का पता लग सकेगा।

केशव मौर्या के बाद ब्रजेश पाठक ने भी बनाई सीएम योगी की बैठक से दूरी

लखनऊ (आभा)। उप मुख्यमंत्री सीएम केशव प्रसाद मौर्या के बाद दूसरे डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक भी शुक्रवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की बैठक से नदारद रहे। इससे पहले गुरूवार को केशव भी प्रयागराज मंडल की बैठक में शामिल नहीं हुए थे। इसे लेकर सियासी गलियारों में तमाम चर्चाएं हो रही हैं। योगी ने शुक्रवार को लखनऊ मंडल के सांसदों, विधायकों, विधान परिषद सदस्यों के साथ लोकसभा चुनाव के नतीजों की समीक्षा के दौरान कहा कि विपक्ष की ओर से सोशल मीडिया के जरिए फैलाए जा रहे अफवाहों और सामाजिक ताने–बाने को नष्ट करने के प्रयास का मुखर होकर विरोध करें। सोशल मीडिया का उपयोग करते हुए विपक्ष के हर झूठ को बेनकाब करें और जनता के बीच सच लेकर जाएं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी जनप्रतिनिधि अपने अपने क्षेत्र में युवाओं और महिला संगठनों से संपर्क और संवाद स्थापित करें। युवाओं को बताएं कि बिना किसी रिश्वत और जाति, मत, मजहब के भेद के निष्पक्ष तरीके से सरकारी नौकरियां प्रदान की जा रही है। ऐसे युवाओं से संपर्क स्थापित करें जिन्हें बिना भेदभाव और रिश्वत के नौकरी मिली हैं। अपने–अपने क्षेत्र के खिलाड़ियों से भी लगातार संपर्क बनाए रखें।

याद किये गये कारगिल के अमर शहीद

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती। सनातन धर्म संस्था बस्ती द्वारा कारगिल विजय दिवस की 25वीं वर्षगाँठ बहुत ही उत्साह पूर्वक मनाई गई।

जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास बोर्ड, अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद के सहयोग से आयोजित इस कार्यक्रम में कारगिल युद्ध के ऑपरेशन विजय एवं ऑपरेशन सफेद सागर में बलिदान हुए सैनिकों को पुष्पचक्र, पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी गई।

26 जुलाई 1999 को इसी दिन भारतीय सेना ने कारगिल युद्ध के दौरान चलाये गये ऑपरेशन विजय व आपरेशन सागर पर सफलता पूर्वक विजय प्राप्त किया था। इसीलिए इस दिवस को कारगिल विजय दिवस के रूप में पूरे देश में हर्षोल्लास के साथ मनाया जाता रहा है। सनातन धर्म संस्था द्वारा आयोजित कारगिल शहीदों को श्रद्धांजलि कार्यक्रम में कारगिल युद्ध में योद्धा के रूप में लड़े हुये कई सैनिको ने अपने अनुभव बाँटे।

कार्यक्रम में एनसीसी के कमांडिंग ऑफीसर कर्नल प्रशांत कुमार, अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद के जिलाध्यक्ष कर्नल के सी मिश्र, प्रभारी अधिकारी ई सी एच एस कर्नल आर एस पांडेय, जिला सैनिक कल्याण अधिकारी कर्नल देवेंद्र गुहानी, सनातन धर्म संस्था के सदस्य शुशील मिश्र, एम डब्ल्यू ओ आर सी त्रिपाठी, एन सी सी के सूबेदार मेजर बल बहादुर तमांग, एन सी सी ऑफीसर लेफ्टीनेंट जे के शाही, सूबेदार रीवाज तमांग, नायब सूबेदार प्रेम सिंह, हवलदार विक्रम लिंका, प्रधानाचार्य मनोज सिंह, प्रमोद तिवारीए चित्रांश क्लब के अवनीश श्रीवास्तव, राजेश चित्रगुप्त आदि लोगो ने पुष्प चक्र भेंट कर श्रद्धांजलि अर्पित की।

इस दौरान रिटायर्ड कर्नल के सी मिश्र ने कहा कि हम भारतीय सेना के पराक्रम पर गर्व करते हैं। यह लड़ाई कई मामलों में महत्वपूर्ण मानी जाती है। जहाँ एक तरफ भारतीय थल सेना ने वहीं दूसरी तरफ वायु सेना के विमानों ने अत्यन्त ऊंचाई पर अपने रण कौशल से विजय पाई वहीं दुनिया भर को भारतीय सेना की ताकत का एहसास कराया।

कर्नल प्रशांत कुमार ने बताया कि परमवीर चक्र विजेता कैप्टन विक्रम बत्रा और परमवीर चक्र विजेता कैप्टन मनोज पाण्डेय भी एन सी सी में रहे हैं। उन्होंने कहा कि सेना के अदम्य साहस और वीरता को हर भारतीय को प्रणाम करना चाहिये।

सैनिक कल्याण अधिकारी कर्नल देवेंद्र गुहानी ने कहा कि 25 वर्ष बीत गये परन्तु आज तक सेना का वह शौर्य हमारे दिलों में जीवित है।

कुआनो नदी के किनारे स्थित कारगिल शौर्य स्तम्भ पर पुष्पांजलि व राष्ट्र गान के बाद शुरू हुई गोष्ठी में सूबेदार ओम प्रकाश चौधरी, एम डब्लू वो आर डी पांडेय, हवलदार जी के यादव, कैप्टन आर के यादव, नायब सूबेदार एस पी उपाध्याय, सूबेदार एस पी सिंह, सूबेदार ओंकार नाथ मिश्र, सूबेदार मेजर ओ पी त्रिपाठी, हवलदार शिवाजी राना, हवलदार चंद्रशेखर शुक्ल, हवलदार अनिल यादव, हवलदार जवाहर मिश्र, अनुराग शुक्ल, पंकज त्रिपाठी, सरदार सनम सिंह, नन्हे सिंह सहित बड़ी संख्या में राष्ट्र प्रेमी जन उपस्थित रहे।

मोची की दुकान पर पहुंचे राहुल गांधी, बैठकर जाना हाल

सुल्तानपुर (आभा)। कांग्रेस नेता और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी शुक्रवार को सुल्तानपुर से लखनऊ लौटते समय अचानक गाड़ी रुकवाकर एक मोची की दुकान पर पहुंच गए। मोची के बगल में जमीन पर ही बैठकर उसका हालचाल जाना। किस तरह से काम कर रहा है इसे समझने की कोशिश की। मोची ने पूछने पर राहुल को अपनी दिक्कतों से भी अवगत कराया और मदद की गुहार भी लगा दी। मोची ने एक जूता भी सिलकर राहुल गांधी को दिखाया। इस दौरान राहुल गांधी को देखकर आसपास काफी भीड़ लग गई। राहुल इससे पहले भी कई बार इसी तरह लोगों को चौंकाते रहे हैं। कभी खेतों में किसानों के पास पहुंच जाते हैं तो कभी ट्रक ड्राइवरों के साथ बैठकर बातें करने लगते हैं। भारत जोड़ो यात्रा के बाद से राहुल अक्सर इस तरह अपने ही सुरक्षा दस्ते को हैरान कर देते हैं।

राहुल गांधी की सुल्तानपुर कोर्ट में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ विवादास्पद टिप्पणी मामले में पेशी थी। सुल्तानपुर एमपी–एमएलए कोर्ट में पेश होने के बाद राहुल लखनऊ लौट रहे थे। इसी दौरान रास्ते में कूरेभार के विधायक नगर चौराहे के पास चैत राम मोची की दुकान पर राहुल ने अपनी गाड़ी रुकवा दी। गाड़ी से उतरकर सीधे मोची की दुकान पर पहुंचे और उसके बगल में बैठ गए। अचानक राहुल गांधी को देख मोची ही नहीं आसपास के लोग भी हैरान रह गए। लोगों ने मोबाइल फोन निकालकर वीडियो और फोटो बनाना शुरू कर दिया।

गुमटी वाली दुकान में चैत राम के बगल में ही बैठकर राहुल गांधी ने उनसे हाल चाल लिया। चौत राम मोची ने बताया कि जिस जूते को हम सील रहे थे, राहुल ने अपने हाथ में लेकर देखा। राहुल गांधी ने पूछा कि कैसे बनाते हैं। इसपर बना कर दिखाया। उन्होंने ये भी जाना कि घर का भरण–पोषण कैसे चलता है।

पूर्व सांसद हरीश द्विवेदी को असम का प्रभारी बनाये जाने पर प्रसन्नता

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती। भारतीय जनता पार्टी द्वारा पूर्व सांसद हरीश द्विवेदी जी को आसाम राज्य का प्रभारी बनाये भाजपा नेता अनूप खरे ने अपने साथियों के साथ मुलाकात कर प्रसन्नता व्यक्त किया।

भाजपा नेता अनूप खरे ने कहा की हरीश द्विवेदी जी के असम के प्रभारी बनाए जाने से पूर्वांचल की गरिमा बड़ी है और कार्यकर्ताओं में उत्साह बढ़ा है। पिछले दिनों चुनाव में कार्यकर्ता का मनोबल टूट गया था पार्टी के इस निर्णय से कार्यकर्ता एक बार पुनः उत्साहित है ।

प्रसन्नता व्यक्त करने वालों में कौशलेन्द्र पांडेय, भूपेंद्र सिंह ,अजय पांडेय, अमृत वर्मा आदि शामिल रहे।

समाजवादियों ने स्थापित किया 'संविधान मान स्तंभ',पीडीए के लिये जारी रहेगा सपा का संघर्ष

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती । समाजवादी पार्टी द्वारा शुक्रवार को आरक्षण अधिकार दिवस के मौके पर पार्टी कार्यालय में प्रदेश नेतृत्व के दिशा निर्देश के अनुरूप 'संविधान मान स्तंभ' स्थापित किया गया। सपा के जिला उपाध्यक्ष जावेद पिण्डारी की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में सपा विधायक राजेन्द्र चौधरी, कविन्द्र चौधरी अतुल, पूर्व विधायक राजमणि पाण्डेय आदि ने 'संविधान मान स्तंभ' स्थापना के उद्देश्यों पर विस्तार से प्रकाश डाला।

वक्ताओं ने कहा कि आरक्षण की संकल्पना महात्मा ज्योतिराव फुले की है। ज्योतिराव फुले का उद्देश्य सभी को संख्या के अनुपात में आरक्षण देना था। 26 जुलाई सन 1902 को राजर्षि छत्रपति शाहूजी महाराज ने अपने संस्थान में आरक्षण का अमल शुरू किया। बाबा साहब ने आरक्षण को संवैधानिक दर्जा 26 जनवरी 1950 को दिया। उनका उद्देश्य हजारों सालों से जिनको संख्या के अनुपात में प्रतिनिधित्व नहीं था, उनको आरक्षण देना था अर्थात बहुजन समाज को राजनीतिक जमात बनाने के लिए उनमें से ही प्रशासक वर्ग निर्माण करना था। इसमें महात्मा ज्योतिराव फुले का अधूरा काम राजर्षि छत्रपति शाहूजी महाराज ने अपने करवीर अर्थात कोल्हापूर संस्थान में पूरा किया और महात्मा ज्योतिराव फुले और राजर्षि छत्रपति शाहूजी महाराज का अधूरा काम बाबा साहब डॉ. भीमराव अम्बेडकर जी ने भारतीय संविधान में आरक्षण की व्यवस्था करके पूरा किया। संविधान के मूल उद्देश्यों की रक्षा के लिये समाजवादी पार्टी अपना संघर्ष जारी रखेगी।

सपा विधायक राजेन्द्र चौधरी, कविन्द्र चौधरी अतुल, पूर्व विधायक राजमणि पाण्डेय, मो. स्वालेह, समीर चौधरी, अजय यादव, रहमान सिद्दीकी, रन बहादुर यादव, हृदयराम यादव, रजनीश यादव, विपिन त्रिपाठी, राम सिंह यादव आदि ने 'संविधान मान स्तंभ' स्थापित करने के बाद कहा कि यह सरकार युवकों को नौकरियां भी सिर्फ इसलिए नहीं दे रही है जिससे कहीं आरक्षण न देना पड़ जाए और दलित, पिछड़े वंचितों को उनका हक न मिल पाए। समाजवादी पार्टी सामाजिक न्याय के लिए प्रतिबद्ध है। पार्टी का मानता है कि नीति के आधार पर गणना ताकि समानुपातिक आधार पर सबको सम्मान बार हक अमिल हो सके। डॉ० राममनोहर लोहिया ने सबके विकास के लिए पिछड़ों को विशेष अवसर दिए जाने की मांग उठाया था। हम सब लामबंद होकर नफरत का खेल खेलने वालों को सफल नहीं होने देंगे। सपा प्रमुख अखिलेश यादव के नेतृत्व में समाजवादी पार्टी का वैचारिक संघर्ष जारी रहेगा। समाजवादी लोग पीडीए की लडाई अनवरत जारी रखेंगे।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से अरविन्द यादव, फौजदार यादव, ज्ञानचन्द्र चौधरी, इन्द्रावती शुक्ल, बबिता गौतम, शकुन्तला चौरसिया, युनुस आलम, लोकेश यादव, विकास यादव, प्रशान्त यादव, भोला पाण्डेय, मो0 सलीम, रामचन्द्र यादव, राजेन्द्र यादव, तूफानी यादव, गौरीशंकर यादव, पवन यादव, राहुल सोनकर, गिरीश चन्द्र, दाउद खान के साथ ही पार्टी के अनेक पदाधिकारी शामिल रहे।

अग्निवीरों को यूपी पुलिस, पीएसी में मिलेगा आरक्षण

नई दिल्ली (आभा)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि देश की सेवा करके लौटने वाले अग्निवीरों को यूपी पुलिस और पीएएसी बल में आरक्षण देने की सुविधा उपलब्ध कारएंगे। उन्होंने कहा कि अग्निवीरों के रूप में देश को ट्रेंड और अनुशासित युवा सैनिक मिलेंगे। सीएम योगी ने कहा कि विरोधियों का काम हर प्रगति और रिफॉर्म वाले कार्य में अड़ंगा लगाने, टांग अड़ाने और अफवाह फैलाने का है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत आज दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है। बीते 10 साल में भारत में बेहतरीन रिफॉर्म हुए हैं। कहा कि भारतीय सेना के आधुनिकीकरण और इसके साजो–सामान के मामले में हम आत्मनिर्भरता की ओर से बढ़ रहे हैं। नई दिल्ली में आयोजित नीति आयोग की बैठक में शामिल होने से पहले शुक्रवार शाम यहां अपने सरकारी आवास पर सीएम योगी मीडिया से बातचीत कर रहे थे।

नगर पालिका परिषद अध्यक्ष ने डीएम को सौंपा ज्ञापन:बीडीए से मालवीय रोड का निर्माण शीघ्र कराने की मांग

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती । शुक्रवार को नगर पालिका परिषद अध्यक्ष नेहा वर्मा ने अध्यक्ष प्रतिनिधि एवं भाजपा नेता अंकुर वर्मा के साथ जिलाधिकारी रवीश गुप्ता को ज्ञापन सौंपा। मांग किया कि मालवीय रोड का निर्माण विकास प्राधिकरण से कराया जाय।

नगर पालिका परिषद अध्यक्ष नेहा वर्मा ने जिलाधिकारी को बताया कि नगर पालिका क्षेत्र में स्थित मालवीय रोड की स्थिति दयनीय है और सड़कों पर बड़े–बडे गड्ढे हो गये हैं। लोगों को आवागमन में असुविधा हो रही है। बरसात के दिनों में संकट और बढ जाता है। मालवीय रोड सड़क का निर्माण विकास प्राधिकरण द्वारा कराये जाने का आदेश जारी किया गया है। डीएम से मांग किया कि विकास प्राधिकरण द्वारा मालवीय रोड़ का निर्माण शीघ्र शुरू कराया जाय जिससे लोगों को आवागमन की सुविधा मिल सके। नगर पालिका परिषद अध्यक्ष प्रतिनिधि एवं भाजपा नेता अंकुर वर्मा ने बताया कि डीएम ने आश्वासन दिया है कि विकास प्राधिकरण की बैठक में इसे रखा जायेगा और शीर्ध निर्माण कार्य कराया जायेगा।

मुण्डेरवा में खाली स्थान पर अग्निशमन केन्द्र बनवाये जाने की मांग: डीएम को सौंपा ज्ञापन

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

–प्रस्तावित स्थान पर अग्निशमन केन्द बना तो ध्वस्त हो जायेंगे कई मकान –डीएम ने दिया जांच के बाद कार्यवाही का आश्वासन

बस्ती । नगर पंचायत मुण्डेरवा वार्ड नम्बर तीन लोहिया नगर राजस्व ग्राम बढौनी उर्फ शिवपुर के नागरिकों ने सभासदों और सरदार सेना के पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं के साथ जिलाधिकारी के प्रशासनिक अधिकारी को ज्ञापन सौंपा और 5 सदस्यीय प्रतिनिधि मण्डल ने जिलाधिकारी से वार्ता कर अग्निशमन केन्द्र किसी अन्य खाली भूमि पर बनवाये जाने की मांग किया।

बढौनी उर्फ शिवपुर निवासी जुगुल किशोर चौधरी ने बताया कि नगर पंचायत मुण्डेरवा वार्ड नम्बर तीन लोहिया नगर में जहां सैकड़ो वर्षों से लोग बसे हैं और कच्चा, पक्का मकान भी बनवा लिया है उस गाटा संख्या 419 ग / 0. 404 हेक्टेयर भूमि पर अग्निशमन केन्द्र बनाये जाने का प्रस्ताव कर दिया गया है। ऐसी स्थिति में कई मकान ध्वस्त हो जायेंगे और अनेक परिवारों को खुले आसमान के नीचे गुजर बसर करना पडेगा। जुगल किशोर चौधरी के साथ आये ग्रामीणों राम दास, दिलीप कुमार सिंह, जय प्रकाश चौधरी, महादेव, कुन्ज बिहारी सिंह, राधेश्याम चौधरी, सोनू, राम उजागिर, हफीजुन्निशां, कमरून्निशां के साथ ही बड़ी संख्या में आये ग्रामीणों ने डीएम से मांग किया कि अग्निशमन केन्द्र किसी खाली स्थान पर बनवाया जाय। यदि यहां बना तो कई घर ध्वस्त हो जायेंगे।

सरदार सेना के प्रदेश उपाध्यक्ष चौधरी बृजेश पटेल ने बताया कि जिलाधिकारी ने मामले को गंभीरता से लेते हुये जांच टीम मौके पर भेजा है। ग्रामीणों का घर बचाने के लिये सरदार सेना संघर्ष करने को बाध्य होगी। सरदार सेना जिलाध्यक्ष विनय चौधरी, मुण्डेरवा नगर पंचायत के सभासद हरिश्चन्द्र भारती, गुलाब चन्द्र कन्नौजिया, कृष्णलला, आलोक कुमार चौधरी, राधेश्याम पाल, किस्मत अली, हाजी अब्दुल वहाब, राम प्रकाश मिश्रा, सरिता चौधरी, चन्द्रमोहन भट्ट, मनीराम, प्रर्मिला अग्रहरि के साथ ही बड़ी संख्या में ग्रामीणों गोपाल सिंह, संतलाल, धर्मदेव मौर्य, लोकनाथ, मन्तू, मकबूल, जोगिन्दर, कोईल, झिनकाई, कुन्ज बिहारी सिंह, पप्पू, विजय चौधरी, गुड्डू, सन्तोष कुमार, रीता, वीरेन्द्र प्रताप सिंह, मनोज सिंह, रामशंकर चौधरी, लल्लू चौधरी, मारूततेन्द्र प्रताप सिंह, महादेव, सहदेव, सुभावती, किस्मती, मंजू, सुमन आदि ने मांग किया कि किसी का घर न उजाड़ा जाय, अग्निशमन केन्द्र को किसी खाली स्थान पर बनवाया जाय।

नि:शुल्क चिकित्सा शिविर में 164 मरीजों का उपचार: दिया एड्स से बचाव की जानकारी

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती। लिंक वर्कर स्कीम परियोजना के तहत उत्तर प्रदेश राज्य एड्स नियंत्रण सोसाइटी एवं नाको भारत सरकार के दिशा–निर्देशन में जिला एड्स नियंत्रण समिति बस्ती के सहयोग से निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन ग्राम पंचायत भरू विकासखंड कप्तानगंज बस्ती में ग्रामीण विकास सेवा समिति द्वारा किया गया । शिविर में 164 मरीजों का उपचार कर उन्हें निशुल्क औषधि और एड्स से बचाव की जानकारी दी गई।

शिविर का आयोजन ग्राम प्रधान सुखलाल एवं चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर वी०के० शर्मा द्वारा फीता काट कर किया गया । शिविर के दौरान प्रवासी, प्रवासी की पत्नी, ट्रक ड्राइवर, ट्रक ड्राइवर की पत्नी, गर्भवती महिला, टीबी मरीज, उच्च जोखिम पूर्ण व्यवहार करने वाले महिला, पुरुष की एचआईवी की जांच एवं काउंसलिंग अशोक कुमार त्रिपाठी लैब टेक्नीशियन तथा एच०आई०वी० से सम्बंधित काउंसलिंग अपर्णा मिश्रा एवं एस०टी०आई० की काउंसलिंग प्रज्ञा पाण्डेय जिला महिला चिकित्सालय बस्ती द्वारा किया गया । शिविर के दौरान सौ से अधिक लोगों ने अपने स्वास्थ्य की जाँच करायी और चिकित्सक डाक्टर वी०के० शर्मा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, कप्तानगंज द्वारा परामर्श एवं सलाह देते हुए समस्याओं से संबंधित औषधि दी गयी ।

जिला महिला चिकित्सालय की एसटीआई काउंसलर प्रज्ञा पाण्डेय ने बताया की ग्रामीण क्षेत्र में यौन जनित रोग की समस्या अधिक है,। उन्होंने बताया की कैम्प के दौरान साठ से अधिक लोगों की एस०टी०आई० की समस्या का निदान किये जाने हेतु दवा दी गयी तथा यह भी बताया गया कि इसके बावजूद अगर एस०टी०आई० की समस्या बनी रहती है तो जिला चिकित्सालय अथवा जिला महिला चिकित्सालय में पुनः आकर संपर्क करें इससे संबंधित पूर्ण जानकारी एवं दवाएं मुफ्त है।

शिविर के दौरान डिस्ट्रिक्ट रिसोर्स पर्सन मोहम्मद अशरफ एवं जोनल सुपरवाइजर सानू गुप्ता ने बताया कि शिविर के दौरान यदि कोई एच०आई०वी० रिएक्टिव पाया जाता है तो उनकी बेसलाइन जांच करवाते हुए एआरटी से लिंक कराने का पूरा कार्य किया जाता है । बताया कि नाको भारत सरकार एवं यूपीसैक के उद्देश्य को पूरा करने तथा एचआईवी के साथ जीवन यापन कर रहे लोगों के साथ हो रहे भेदभाव तथा कलंक रहित समाज का निर्माण करने के लिए एवं लोगों को एचआईवी से सम्बंधित सही एवं पूर्ण जानकारी देने हेतु लिंक वर्कर स्कीम परियोजना की टीम लगातार प्रयास कर रही है । इस दौरान सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कप्तानगंज के विजय कुमार वर्मा लैब टेक्नीशियन, संगीता जीडीए, सुशीला यादव जीएन एम तथा जी०वी०एस०एस० के कलस्टर लिंक वर्कर अनीता देवी, खुशबू, शुभेन्द्र पाठक दया शंकर तथा अमित गुप्ता ने कैम्प को सफल बनाने में अपना योगदान दिया ।

“मुझे अखबार निकालने दो तो मैं इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता”–वेंडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 27 जुलाई 2024 शनिवार

सम्पादकीय

सूचना प्रौद्योगिकी और जोखिम

नेटवर्क का जाल जैसे–जैसे घना होता जाएगा, वैसे–वैसे इस तरह के खतरे भी बढ़ेंगे। हालांकि इसका यह कतई मतलब नहीं है कि टेक्नॉलजी से दूरी बना ली जाए। तकनीक तरक्की के लिए है, लेकिन इससे जुड़े सभी पहलुओं की जानकारी और तैयारी होनी चाहिए। नेटवर्क के अपने फायदे हैं, लेकिन साथ में जोखिम भी, जिससे हम अभी–अभी गुजरे हैं। इस जोखिम को कम से कमतर करने के उपाय की जरूरत है।

एक दिग्गज सूचना प्रौद्योगिकी कंपनी ने लगभग पूरी दुनिया को जिस तरह से प्रभावित किया है, वह न केवल दुखद, बल्कि चिंताजनक है। इसे एक आधुनिक आईटी संकट कहा जा सकता है, जिसने दुनिया भर में न सिर्फ साइबर आधारित कामकाज को प्रभावित किया, बल्कि बड़े पैमाने पर इससे परिवहन भी बाधित हुआ है। इस वजह से दुनिया को कितना नुकसान हुआ है, इसका हिसाब लगाने में अभी समय लगेगा। नुकसान का एक पहलू हवाई सेवा के नजरिये से देखा जा सकता है। एविएशन एनालिटिक्स कंपनी सिरियम के अनुसार, वैश्विक आईटी संकट या आउटेज के कारण 1,390 उड़ानें तत्काल प्रभाव से रद्द कर दी गईं। आंकड़ों के अनुसार, अमेरिका में 512, जर्मनी में 92, भारत में 56, इटली में 45 और कनाडा में 21 उड़ानें रद्द कर दी गईं। टिकट लेने से रद्द कराने और रिफंड लेने तक यात्रियों को बड़ी परेशानी झेलनी पड़ी। अमेरिका समेत कई देशों में तो रेल यातायात भी बुरी तरह प्रभावित हुआ। यह संकट इतना व्यापक है कि स्थिति के सामान्य होने में अभी कुछ समय लग सकता है।

आखिर ऐसा क्यों हुआ? माइक्रोसॉफ्ट ने बताया कि वह मध्य अमेरिकी क्षेत्र में अपनी सेवाओं की जांच कर रहा है, जिनकी वजह से दुनिया भर में अनेक प्रकार की सेवाएं बाधित हुई हैं। इस संकट से सर्वाधिक प्रभावित देशों में ऑस्ट्रेलिया का नाम सबसे पहले लिया जा रहा है, तो इस तथ्य को परखना चाहिए, हर देश को अपने–अपने स्तर पर अपने नुकसान का सही आकलन करना चाहिए। ऑस्ट्रेलिया से ही शायद सबसे पहले कंप्यूटर सिस्टम के काम न करने की शिकायतें सामने आईं। वहां बैंक, एयरलाइन्स, मीडिया प्रसारण तक रुक गया। कई संस्थान ऑफलाइन काम करने को मजबूर हो गए। अभी तक की सूचनाएं यही इशारा करती हैं कि माइक्रोसॉफ्ट संबंधी इस संकट के पीछे एक साइबर सुरक्षा फर्म क्राउडस्ट्राइक का हाथ है। कोई ऐसा अपडेट किया जा रहा था, जो बुनियादी रूप से वैश्विक साइबर तंत्र के अनुरूप नहीं था। यह कोई साइबर हमला नहीं था, बल्कि सेवा में कुछ अपडेट करने के चक्कर में यह महासंकट खड़ा हो गया। जिम्मेदार कंपनियां इस संकट के लिए तैयार नहीं थीं, तो जाहिर है, साइबर सुरक्षा कंपनी क्राउडस्ट्राइक के साथ ही माइक्रोसॉफ्ट को भी आर्थिक रूप से नुकसान उठाना पड़ेगा। विकसित देशों में अनेक कंपनियां इस संकट की भरपाई या मुआवजा मांगेंगी। वाकई, यह एक ऐसा संकट है, जिसे उदारता बरतते हुए भुला देना आने वाले समय के लिए बहुत भारी पड़ सकता है। यदि इरादतन कोई अपराध नहीं हुआ है, तब भी जो लापरवाही या उदासीनता बरती गई है, उसका माकूल हिसाब होना चाहिए।

हालांकि, इसमें कोई दोराय नहीं कि माइक्रोसॉफ्ट अपने पैमाने पर सक्रिय होगी और फिर ऐसी कोई नौबत नहीं आएगी, पर यह दुनिया की तमाम सरकारों और बहुराष्ट्रीय कंपनियों के लिए जागने व तैयार होने का समय है। ध्यान रहे, ऐसे संकट से अपराधियों का मनोबल बढ़ता है और वे अपनी साजिश में ऐसी कमियों का लाभ उठाने का दुस्साहस कर सकते हैं। अभी तक डार्क वेब दुनिया में यह बात पता चल चुकी होगी कि इस संकट को कैसे अंजाम दिया गया और अर्थव्यवस्था या सेवा का कौन सा क्षेत्र सर्वाधिक प्रभावित हुआ। अतः साइबर सुरक्षा विशेषज्ञों के लिए चुनौती बहुत बढ़ गई है। सरकारों को भी नए सिरे से प्रबंध करना चाहिए, ताकि बड़ी आईटी कंपनियां अपने आर्थिक लाभ के लिए साइबर सुरक्षा से किसी भी तरह का समझौता न करने पाएं।

किसान आंदोलनः वार्ता से निकलेगा समाधान

– ललित गर्ग–

मोदी सरकार 3.0 के पहले बजट में वित्त मंत्री ने सरकार की जिन 9 प्राथमिक्ताओं का जिक्र किया उसमें विकसित भारत लिये रोजगार, महंगाई नियंत्रण, कृषि, महिला–युवा विकास के साथ–साथ मध्यम वर्ग के लिये पहली बार सकारात्मक सोच सामने आयी है। बावजूद इसके विपक्षी दल किसी न किसी बहाने उसका विरोध करते हुए संसद में हंगामा बरपा रहे हैं। सभी क्षेत्रों के लिये न्यायसंगत एवं विकास योजनाओं के बावजूद विरोध होना अतिश्योक्तिपूर्ण है। विपक्षी दल इस आरोप के सहारे बजट का विरोध कर रहे हैं कि उसमें अन्य राज्यों के साथ भेदभाव किया गया है। इस विरोध का आधार बिहार और आंध्र प्रदेश की विभिन्न विकास योजनाओं के लिए विशेष घोषणाएं के साथ न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की वैधानिक गारंटी और अन्य मांगों को लेकर किसी तरह की घोषणा न करने के मुद्दे हैं। विपक्षी दल किसान आन्दोलन को उग्र करने के प्रयास करेंगे। ऐसा इसलिये भी लग रहा है कि बुधवार को ही नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी से नई दिल्ली में मुलाकात करने के बाद किसान नेताओं ने साफ भी कर दिया है कि दिल्ली मार्च का उनका कार्यक्रम जारी रहेगा। संसद सत्र जारी है, ऐसे में किसान आंदोलन को लेकर प्रतिपक्ष सरकार पर हमलावर होगा, एक बार फिर किसान आन्दोलन के उग्र से उग्रतर होने की संभावनाएं हैं, जिससे आम जनता को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है।

सुप्रीम कोर्ट ने किसान–आन्दोलन से जुड़े मामले की सुनवाई करते हुए पंजाब–हरियाणा से सटे शंभू बॉर्डर पर यथास्थिति बनाए रखने का औचित्यपूर्ण आदेश दिया है। सुप्रीम कोर्ट की यह टिप्पणी अहम है कि एक 'तटस्थ मध्यस्थ' की आवश्यकता है जो सरकार और किसानों के बीच विश्वास कायम कर सके। सुप्रीम कोर्ट ने इसके लिए स्वतंत्र विशेषज्ञों की एक कमेटी बनाने का प्रस्ताव भी दिया है। प्रश्न है कि कांग्रेस एवं अन्य विपक्षी दल न्यायालय के इस महत्वपूर्ण सुझाव को आकार देने की बजाय किसान–आन्दोलन को उग्र करने की मंशा रखते हुए अराजक माहौल ही क्यों बनाना चाहते हैं? क्यों अव्यवस्था फैलाने चाहते हैं? निश्चित ही शंभू बॉर्डर खोले जाने पर कानून–व्यवस्था को लेकर संकट की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। यह बात सही है कि शंभू बॉर्डर खोले जाने से आंदोलनरत किसानों के दिल्ली कूच की राह खुल सकती है। आंदोलनरत किसान संगठन पहले ही ऐलान कर चुके हैं कि जब भी सीमाएं खुलेंगी, किसान ट्रैक्टर ट्रॉलियों के साथ दिल्ली की ओर बढ़ेंगे। शीर्ष अदालत हरियाणा सरकार की उस याचिका पर सुनवाई कर रही थी जिसमें उच्च न्यायालय के उस आदेश को चुनौती दी गई है जिसमें उसे एक सप्ताह के भीतर अंबाला के पास शंभू सीमा पर बैरिकेड्स हटाने के लिए कहा गया था जहां किसान 13 फरवरी से डेरा डाले हुए हैं।

केन्द्र सरकार एवं विपक्षी दलों को मिलकर इस विकट समस्या का समाधान निकालने के लिये कोई सार्थक प्रयास करने चाहिए। किसानों के भरोसे को जीतने की कोशिश होनी चाहिए। लेकिन नेशनल हाई–वे पर जेसीबी और बख्तरबंद ट्रैक्टर ट्रॉली की इजाजत तो इस समस्या का समाधान नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने विशेषज्ञों की समिति के जरिए बातचीत का जो प्रस्ताव दिया है उस पर सरकार की प्रतिक्रिया आनी बाकी है। लेकिन दोनों पक्षों को ही आंदोलन खत्म करने के लिए बातचीत के माध्यम से समाधान का रास्ता निकालने की पहल करनी होगी। किसान आंदोलन के उग्र रूप को भी यह देश देख चुका है, भारी नुकसान भी हुआ है। किसानों की समस्याएं अपनी जगह हैं और इनकी आड़ में होने वाली राजनीति अपनी जगह। वैसे भी स्वामीनाथन आयोग की सिफारिशें लागू करने, न्यूनतम समर्थन मूल्य की कानूनी गारंटी और कर्ज माफी जैसे मुद्दों पर समिति के गठन का प्रस्ताव केन्द्र सरकार पहले ही दे चुकी है। यह बड़ा सच है कि बात करने से ही बात बनती है। बातचीत की हर संभावना का स्वागत किया जाना चाहिए। किसी भी आंदोलन का लंबे वक्त तक जारी रहना सचमुच चिंताजनक है। ऐसे आन्दोलन को उग्र करने की विपक्षी दलों की मानसिकता भी संदेहों एवं अविश्वासों से घिरी है। अच्छा हो कि विपक्षी दल एवं नेता प्रचार पाने के लिए विरोध की बेतुकी रस्म निभाने के बजाय बजट में कृषि क्षेत्र के लिये किये गये बड़े ऐलानों पर गौर करें। सरकार ने एग्रीकल्चर सेक्टर के लिए कई बड़े ऐलान किए हैं। इनमें कृषि उत्पादकता को बढ़ाने और जलवायु परिवर्तन को ध्यान में रखते हुए मौसम में बदलाव को बरदाश्त कर सकने वाली फसलों की प्रजातियों को विकसित करने पर जोर दिया गया है। इसके लिए एग्रीकल्चर रिसर्च के बजट को भी बढ़ाया गया है।

विपक्षी पार्टियां लगातार किसानों एवं कृषि को लेकर सरकार को घेरने का प्रयास कर रही हैं। कोई न कोई बहाना चाहिए विरोध का, अब किसान–आन्दोलन के सहारे अपनी राजनीति चमकाने की जुगत में देश का कितना नुकसान होगा, कहा नहीं जा सकता। जबकि भाजपा सरकार द्वारा भारतीय अर्थ–व्यवस्था की वृद्धि और विकास में कृषि की भूमिका को ध्यान में रखते हुए, इस बजट में कृषि क्षेत्र पर अधिक ध्यान दिया गया है। कृषि में उत्पादकता, किसानों के हितों एवं कृषि की सुदृढ़ता को बढ़ाना बजट द्वारा निर्धारित शीर्ष प्राथमिकताओं में से एक है। उल्लेखनीय है कि बजट में जो नौ प्राथमिकताएं शामिल है, उनमें कृषि एवं संबंधित क्षेत्रों के लिए करीब 1.52 लाख करोड़ रुपये के आवंटन से खेती–किसानी की दशा–दिशा सुधरने की आस बढ़ी है। विभिन्न फसलों की प्रस्तावित 109 किस्मों से भी उत्पादकता में बढ़ोतरी की उम्मीद है। ये किस्में जलवायु परिवर्तन के चलते बढ़ रही प्रतिकूल मौसमी परिघटनाओं के विरुद्ध कवच का काम करेंगी। दलहन–तिलहन को प्राथमिकता, डिजिटल क्राप सर्वे के अतिरिक्त किसान उत्पादक संघों यानी एफपीओ एवं भंडारण और आपूर्ति शृंखला पर ध्यान देने जैसे उपाय उपज को पहुंचने वाले नुकसान को घटाने एवं कीमतों में स्थायित्व सुनिश्चित करेंगे। ग्रामीण विकास के लिए 2.66 लाख करोड़ की बड़ी राशि आवंटित की गई है। भले ही सरकार ने सीधे तौर पर बजट में किसानों की आय बढ़ाने और एमएसपी पर खरीद सुनिश्चित न किए जाने से किसानों को निराशा हुई हो लेकिन बजट में तिलहन में आत्मनिर्भरता, सब्जी उत्पादन केन्द्र विकसित करने और खेती के लिए डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास की बात कही गई है। विशेषज्ञों के मुताबिक इस बजट से आने वाले समय में एग्रीकल्चर सेक्टर की विकास की रफ्तार बढ़ाने में मदद मिलेगी जो सीधे तौर पर किसानों की आय भी बढ़ायेगा एवं उन्नत कृषि को प्रोत्साहन भी देगा।

असल में न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की वैधानिक गारंटी और अन्य मांगें राजनीतिक मुद्दे बन गये हैं, जिनके चलते हो रहा आन्दोलन न केवल किसानों के बल्कि आम जनता के लिये भी परेशानी का सबब है। जबकि सरकार ने धान का उत्पादन करने वाले किसानों के लिए एमएसपी को बढ़ा कर 2300 कर दिया है जो स्वागत योग्य कदम है। उम्मीद थी की सरकार एमएसपी पर खरीद को सुनिश्चित करने के लिए कोई कदम उठाएगी। लेकिन बजट में इस तरह का कोई प्रावधान न होने से काफी निराशा हुई है। दुनिया भर के विकसित देश अनिवार्य रूप से किसानों की उपज को एमएसपी पर खरीदते हैं। लेकिन भारत में किसानों को उनकी उपज का सही मूल्य नहीं मिल पाता। विपक्षी दल किसानों के हित में आन्दोलन की बजाय बातचीत के रास्ते पर आगे बढ़े। स्तरीय विरोध हो, किसानों को गुमराह करने एवं उनका मनोबल कमजोर करने के लिये विपक्षी दल उजालों पर कालिख न पोते, इससे उन्हीं के हाथ काले होने की संभावनाएं है।

नीट परीक्षा पर सुप्रीम फैसले से निकली राह

–रोहित माहेश्वरी–

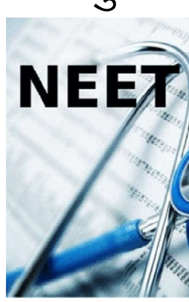

नीट यूजी–2024 पेपर लीक मामले में सुप्रीम कोर्ट का फैसला आ गया है, जो कि करीब 24 लाख छात्रों के लिए राहतभरा है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि नीटयूजी परीक्षा कैंसिल नहीं होगी। कोर्ट ने कहा है कि गड़बड़ी के पर्याप्त सबूत नहीं हैं। नीट परीक्षा को लेकर देशव्यापी हंगामे व राजनीतिक बयानबाजियों के बावजूद यह सुखद खबर है। हालांकि, 23 जुलाई को को आए फैसले का मानवीय पक्ष यह है कि सुप्रीम कोर्ट ने 24 लाख अभ्यर्थियों को होने वाली परेशानी को प्राथमिकता दी है। इसके बावजूद शीर्ष अदालत का फैसला भारत में परीक्षा प्रक्रियाओं में प्रणालीगत सुधार की आवश्यकता को रेखांकित करता है। हाल के दिनों में देश में विभिन्न रोजगारपरक प्रतियोगी परीक्षाओं व व्यावसायिक पाठ्यक्रमों की प्रवेश परीक्षाओं के प्रश्नपत्र लीक होने और संदेह के घेरे में आने के मामले लगातार उजागर होते रहे हैं। निश्चित रूप से सुनहरे भविष्य की आस में रात–दिन एक करने वाले प्रतियोगियों के साथ यह अन्याय बेहद कष्टदायक है। जो प्रतिभागियों का विश्वास व्यवस्था से उठाता है।

नीट–यूजी–2024 की परीक्षा 5 मई को हुई थी। इसमें करीब 24 लाख छात्र शामिल हुए थे। 4 जून को इसका रिजल्ट आया था। जिस पर सवाल उठे। परीक्षा में 67 छात्र टॉप कर गए। सभी को 720 में से 720 नंबर मिले। ऐसा पहली बार हुआ कि इतनी बड़ी संख्या में छात्रों ने 100 फीसदी नंबर मिले। इसके बाद मामले ने तूल पकड़ा और सुप्रीम कोर्ट पहुंचा। इस मामले में सीबीआई ने कई गिरफ्तारियां भी की हैं। सीबीआई ने अपनी रिपोर्ट कोर्ट में पेश की है।

सुप्रीम कोर्ट ने पुष्टि की कि नीट– यूजी 2024 पेपर लीक पटना और हजारीबाग में हुआ। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) आगे की जानकारी उजागर करने के लिए पेपर लीक के मामले में अपनी जांच जारी रखेगी वहीं न्यायालय ने काउंसलिंग और अन्य प्रवेश प्रक्रियाओं को निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार जारी रखने की अनुमति दी है। इसने यह भी संकेत दिया है कि इसी तरह के मुद्दों को संबोधित करने और रोकने के लिए परीक्षाओं के भविष्य के संचालन के लिए दिशा निर्देश प्रदान किए जाएंगे।

कोर्ट के व्यावहारिक फैसले के बावजूद इस विवाद ने हमारी शैक्षिक व परीक्षा प्रणाली के भीतर व्याप्त विसंगतियों को भी उजागर किया है। बहरहाल, मुख्य न्यायाधीश डी.वाई. चंद्रचूड़ की यह टिप्पणी कि लीक परीक्षा प्रणाली का उल्लंघन नहीं है, एक अस्थायी राहत जरूर प्रदान करता है। लेकिन इस सिस्टम में अंतर्निहित कमजोरियों को संबोधित किया जाना जरूरी है। इसके बावजूद राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी यानी एनटीए और आईआईटी दिल्ली द्वारा प्रस्तुत साक्ष्यों के अनुसार बिहार के हजारीबाग और पटना में लीक महत्वाकांक्षी चिकित्सा पेशेवरों के लिये होने वाली महत्वपूर्ण परीक्षा आयोजन के तौर–तरीकों की विश्वसनीयता पर प्रश्न तो उठाते ही हैं।

प्रभावित छात्रों के मामलों को निपटाने के लिये, राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी पर न्यायालय की निर्भरता समस्या के दीर्घकालीन समाधान के बजाय एक कामचलाऊ दृष्टिकोण को ही दर्शाती है। वहीं दूसरी ओर गत जून माह में यूजीसी–नेट परीक्षा का रद्द होना भी चिंताओं को और बढ़ा देता है। केंद्रीय गृह मंत्रालय को अज्ञात सूत्रों से मिले तथ्यों के आधार पर शिक्षा मंत्रालय ने स्वतः संज्ञान लेते हुए यह कार्रवाई की थी। हालांकि यह कदम छात्रों के हितों की तात्कालिक रक्षा की दृष्टि से सार्थक है लेकिन यह घटनाक्रम हमारी परीक्षातंत्र के बुनियादी ढांचे की कमजोरी को ही उजागर करता है। कह सकते हैं कि परीक्षा तंत्र की संवेदनशीलता के मद्देनजर ऐसे तदर्थवाद व पारदर्शिता की कमी छात्र समुदाय में अविश्वास व चिंता को बढ़ाते हैं।

बहरहाल, हाल की ये घटनाएं प्रतियोगी परीक्षाओं तथा परीक्षाएं आयोजित करने वाले तंत्र के ढांचे में व्यापक बदलाव की जरूरत को बताती हैं। शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा है कि एन.टी.ए. की संरचना की समीक्षा के लिये एक उच्च स्तरीय समिति की स्थापना की जाएगी, निश्चित रूप से यह संस्था की विश्वसनीयता बनाये रखने की दिशा में एक उचित कदम है। हालांकि, इसके साथ ही परीक्षाओं में सुरक्षा, पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ाने के लिये मजबूत उपायों को भी इसमें शामिल किया जाना चाहिए।

निस्संदेह, गाहे–बगाहे होने वाले परीक्षा घोटाले न केवल शैक्षणिक संस्थानों की विश्वसनीयता को कमजोर करते हैं बल्कि शिक्षा और कैरियर के नाजुक मोड़ पर खड़े युवा उम्मीदवारों के भविष्य को भी प्रभावित करते हैं। भारत एक युवाओं का देश है। ऐसे में अपने जनसांख्यिकीय लाभांश का सदुपयोग करने के लिये प्रतियोगी परीक्षाओं की शुचिता सुनिश्चित करना बेहद जरूरी है।

इस घटनाक्रम के बाद सरकार को परीक्षा व्यवस्था में विश्वास बहाल करने और युवाओं की आकांक्षाओं को संबल देने के लिये इस क्षेत्र में सुधारों को वरीयता देनी चाहिए। निस्संदेह, मेडिकल प्रवेश परीक्षा के मामले के निस्तारण में सर्वोच्च न्यायालय की सक्रियता की सराहना की जानी चाहिए। बड़ी संख्या में याचिकाएं परीक्षा दोबारा आयोजित कराने के लिये दायर किये जाने के बावजूद, लाखों छात्रों के हित व वक्त की जरूरत के मुताबिक कोर्ट ने तार्किक फैसला दिया। जिसमें इस बात पर ध्यान दिया गया कि किसी गड़बड़ी से परीक्षा किस सीमा तक प्रभावित हुई है। कोर्ट ने इस बाबत ठोस व तार्किक पक्ष को प्राथमिकता दी। साथ ही परीक्षा के सामाजिक पक्षों को भी ध्यान में रखा। निश्चित रूप से जिन परीक्षार्थियों का चयन हो चुका था, उन्हें पुनः परीक्षा देने को बाध्य करना न्यायोचित नहीं कहा जा सकता।

परीक्षाओं की विश्वसनीयता को लेकर केंद्र और राज्य सरकारें चिंतित भी हैं। इसी के मद्देनजर केंद्र सरकार ने सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) अधिनियम 2024 लागू किया है, जिसकी अधिसूचना पिछले माह जारी की गई थी। नीट–यूजी के मामले में केंद्र सरकार ने कुछ तात्कालिक कदम उठाए हैं। नया कानून लागू करने के साथ ही इस मामले की जांच सीबीआई को सौंपी गई है और कई लोगों की गिरफ्तारी भी हुई है। हाल ही में उत्तर प्रदेश सरकार ने परीक्षा में गड़बड़ी और पेपर लीक पर अंकुश लगाने के लिए नया कानून बनाया है। उत्तर प्रदेश के अलावा कई अन्य राज्यों ने भी पेपर लीक से जुड़े कानून बनाये हैं।

निस्संदेह, लाखों छात्रों के लिए परीक्षा आयोजित करने वाली संस्था संदेह से मुक्त होनी चाहिए। परीक्षा की शुचिता बनाये रखने के लिए निष्पक्ष जांच जरूरी है। अन्यथा छात्रों का व्यवस्था से भरोसा उठ जाता है। केंद्र और राज्य सरकारों की ओर से बनाए गए कानूनों में प्रवेश व प्रतियोगी परीक्षाओं में गड़बड़ी और पर्चा लीक के दोषियों को सजा के कड़े प्रावधान किए गए हैं। अब सवाल यह भी उठता है कि क्या हर राज्य में अलग–अलग कानून बना देने से पेपर लीक मामलों पर अंकुश लग पाएगा? क्या ये कदम छात्रों और अभिभावकों की परेशानी दूर करने के लिए काफी हैं? हमें समझना होगा यह कवायद मात्र रोग के लक्षणों का उपचार करना है। मूल समस्या कहीं अधिक गहरी है और इसकी जड़ों पर प्रहार करने की जरूरत है।

सुनिश्चित करना होगा कि प्रतियोगी परीक्षाओं में कुशल प्रतिभाओं का चयन हो और यह तभी संभव होगा, जब इन परीक्षाओं की शुचिता कायम रखी जाए। हर महत्वपूर्ण संस्थान और एजेंसी के कार्य तभी उत्तम स्तर के होंगे, जब सुयोग्य व्यक्तियों को इसकी जिम्मेदारी सौंपी जाएगी। साथ ही परीक्षाओं में गड़बड़ी रोकने संबंधी कानूनों पर कड़ाई से अमल सुनिश्चित करना जरूरी है।

कारगिल फतहःशौर्य का टीका

–प्रो. मनोज कुमार–

युद्ध किसी समस्या का हल नहीं होता है लेकिन जब बात देश की अस्मिता, सुरक्षा और सम्प्रभुता पर आए जाए तो एकमात्र विकल्प युद्ध शेषरह जाता है। 25 वर्ष पहले भारत के चिर–परिचित दुश्मन पाकिस्तान ने दोनों देशों को युद्ध के मुहाने पर ला खड़ा किया। दो माह की लम्बी लड़ाई के बाद भारत युद्ध फतह करने में कामयाब रहा. भारतीय नौजवानों ने अपने खून से भारत माता के माथे पर शौर्य का टीका लगाकर उसके मान में श्रीवृद्धि की। इस कारगिल युद्ध, जिसे ऑपरेशन विजय के नाम से भी जाना जाता है। 26 जुलाई 1999 को भारत ने कारगिल युद्ध में विजय हासिल की थी। इस दिन को हर वर्ष विजय दिवस के रूप में मनाया जाता है। करीब दो महीने तक चला कारगिल युद्ध भारतीय सेना के साहस और जाँबाजी का ऐसा उदाहरण है जिस पर हर भारतीय देशवासी को गर्व होना चाहिए। करीब 18 हजार फीट की ऊँचाई पर कारगिल में लड़ी गई इस जंग में देश ने लगभग 527 से ज्यादा वीर योद्धाओं को खोया था वहीं 1300 से ज्यादा घायल हुए थे। युद्ध में 2700 पाकिस्तानी सैनिक मारे गए और 750 पाकिस्तानी सैनिक जंग छोड़ के भाग गए।

भारत और पाकिस्तान के बीच मई और जुलाई 1999 के बीच कश्मीर के करगिल जिले में हुए सशस्त्र संघर्ष का नाम है। पाकिस्तान की सेना और कश्मीरी उग्रवादियों ने भारत और पाकिस्तान के बीच की नियंत्रण रेखा पार करके भारत की जमीन पर कब्जा करने की कोशिश की। पाकिस्तान ने दावा किया कि लडने वाले सभी कश्मीरी उग्रवादी हैं, लेकिन युद्ध में बरामद हुए दस्तावेजों और पाकिस्तानी नेताओं के बयानों से साबित हुआ कि पाकिस्तान की सेना प्रत्यक्ष रूप में इस युद्ध में शामिल थी। लगभग 30,000 भारतीय सैनिक और करीब 5000 घुसपैठिए इस युद्ध में शामिल थे। भारतीय सेना और वायुसेना ने पाकिस्तान के कब्जे वाली जगहों पर हमला किया और धीरे–धीरे अंतर्राष्ट्रीय सहयोग से पाकिस्तान को सीमा पार वापिस जाने को मजबूर किया। यह युद्ध ऊँचाई वाले इलाके पर हुआ और दोनों देशों की सेनाओं को लडने में काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ा। परमाणु बम बनाने के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच हुआ यह पहला सशस्त्र संघर्ष था।

पाकिस्तान की सेना और कश्मीरी उग्रवादियों ने रुशष्ट करके भारत की जमीन पर कब्जा करने की कोशिश की थी। हालांकि इंडियन आर्मी के बहादुर जवानों ने न सिर्फ पाकिस्तान को इस लड़ाई में धूल चटाई, बल्कि शौर्य की एक ऐसी मिसाल पेश की जो इतिहास के पन्नों में अपनी जगह बना गई। इस युद्ध की शुरुआत 3 मई 1999 को ही हो गई थी जब पाकिस्तान ने कारगिल की ऊंची पहाड़ियों पर 5 हजार से भी ज्यादा सैनिकों के साथ घुसपैठ कर कब्जा जमा लिया था। भारत सरकार को जब घुसपैठ की जानकारी मिली तब पाकिस्तानी सैनिकों को खदेड़ने के लिए ऑपरेशन विजय चलाया गया। पाकिस्तान ने दावा किया था कि इस लड़ाई में लडने वाले सभी कश्मीरी उग्रवादी हैं, लेकिन युद्ध में बरामद हुए दस्तावेजों और पाकिस्तानी नेताओं के बयानों से साबित हुआ कि पाकिस्तान की सेना प्रत्यक्ष रूप में इस युद्ध में शामिल थी।

8 मई 1999 को पाकिस्तान की 6 नॉर्दर्न लाइट इंफेंट्री के कैप्टन इफ्तेखार और लांस हवलदार अब्दुल हकीम 12 सैनिकों के साथ कारगिल की आजम चौकी पर कब्जा जमाए बैठे हुए थे। उन्होंने देखा कि कुछ भारतीय चरवाहे कुछ दूरी पर अपने मवेशियों को चरा रहे थे। पाकिस्तानी सैनिकों ने आपस में इन चरवाहों को बंदी बनाने को लेकर चर्चा की, लेकिन जब उन्हें लगा कि ऐसा करने की सूरत में चरवाहे उनका राशन खा जाएंगे, तो उन्होंने उन्हें वहां से जाने दिया। कुछ देर बाद ये चरवाहे भारतीय सेना के 6–7 जवानों के साथ वहां वापस लौटे, और पाकिस्तान के नापाक इरादों की पोल खुल गई।

चार लोगों को पांच साल की सजा

संवाददाता–गोण्डा। अपर जिला जज पूजा सिंह ने जानलेवा हमला करने के जुर्म में चार अभियुक्तों को पांच–पांच वर्ष की कैद व अर्थदंड की सजा सुनाई। अर्थदंड की अदायगी न करने पर अतिरिक्त सजा भुगतनी होगी। जिला शासकीय अधिवक्ता विनय कुमार सिंह के अनुसार थाना खरगूपुर अंतर्गत ग्राम लोनावा दरगाह निवासी सिराज पुत्र मुर्तजा ने इस आशय की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। इसके मुताबिक गांव के ही आजाद पुत्र अलीरजा, अलीरजा पुत्र हबीब, छांगे पुत्र अली रजा व रूखसाना पत्नी दिलशान ने जमीन पर कब्जेदारी को लेकर चाकू व सब्बल से वादी की पत्नी सालिया पर जानलेवा हमला कर दिया जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई। पुलिस ने सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज कर प्रकर की विवेचना के बाद आरोप पत्र अदालत पर भेज दिया। मुकदमे की सुनवाई के दौरान अदालत ने अभियोजन व बचाव पक्ष के अधिवक्ताओं की बहस व दलीलों को सुना तथा पत्रावली में उपलब्ध साक्ष्यों का गहन अवलोकन करने के पश्चात आरोपित अभियुक्तों को जानलेवा हमला करने का दोषी करार देते हुए प्रत्येक को पांच –पांच वर्ष की कैद व सत्रह–सत्रह हजार रुपए अर्थदंड की सजा सुनाई। अर्थदंड की अदायगी न करने पर चार चार माह की अतिरिक्त सजा भुगतनी होगी।

सड़क हादसों में महिला सहित तीन की मौत

संवाददाता–बहराइच। जिले के तीन थानों के विभिन्न इलाकों में हुए सड़क हादसों में एक महिला सहित तीन की मौत हो गई, जबकि दो गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। संबंधित थानों की पुलिस ने पोस्टमार्टम कराकर लाशें परिजनों को सौंप दिया है। रिसिया थाने के रिसिया मोड़ पर शुक्रवार दोपहर तेज रफ्तार वाहन ने बाइक में टक्कर मार दी। इस हादसे में बाइक सवार नगर कोतवाली के चिक्कीपुरा निवासी 42 वर्षीय मोहम्मद शकील पुत्र मोहम्मद अली की मौत हो गई, जबकि उनका बेटा जीशान घायल हो गया। वह जीशान की दवा लेने रिसिया जा रहे थे। हादसा होते ही चालक वाहन छोड़कर भाग गया। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने पोस्टमार्टम कराकर लाश परिजनों को सौंप दिया है। बहराइच– लखनऊ हाईवे पर कैसरगंज थाने के हुजूरपुर मोड़ के पास गुरुवार देर शाम हुजूरपुर की ओर से कैसरगंज की ओर जा रही तेज रफ्तार मैजिक के आगे अचानक बाइक सवार आ गया। उसे बचाने के प्रयास में मैजिक लखनऊ की ओर से आ रहे ट्रक में जा भिड़ी। इस हादसे में मैजिक सवार श्रावस्ती जिले के गिलौला थाने के शिव बालकपुरवा गांव निवासी 45 वर्षीय त्रिलोकी प्रसाद पुत्र जमुना प्रसाद की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि चालक जगदीश घायल हो गया। मैजिक सवार हुजूरपुर होते हुए लखनऊ जा रहे थे। घायल को कैसरगंज सीएचसी में भर्ती कराया गया। जहां से चिकित्सकों ने उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया है। सीतापुर जिले के रेउसा थाने के रमवापुर के मजरे कालिका सिंह गांव निवासी ममता अपने पति पिंकू के साथ दवा लेने के लिए बाइक से गई थी। जहां से वह बाइक से वापस घर लौट रही थी। बहराइच–सीतापुर हाईवे पर स्कूल बस ने बाइक में टक्कर मार दी। जिससे ममता गंभीर रूप से घायल हो गई।

शत कोटि गायत्री महामंत्र जाप का शुभारंभ आज

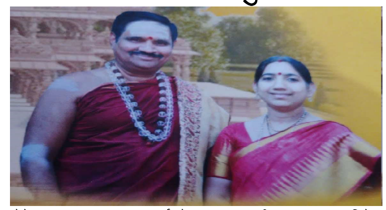

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु श्रीराम की पावन जन्मस्थली अयोध्याधाम के मणिरामदास छावनी में शनिवार 27 जुलाई से पांच दिवसीय शतकोटि गायत्री महामंत्र जप यज्ञ का शुभारंभ हो रहा है। जो 31 जुलाई बुधवार तक चलेगा। उसके बाद महा पूर्णाहुति संग जप यज्ञ का समापन हो जायेगा। यह शतकोटि गायत्री महामंत्र जप यज्ञ सार्वभौमिक शांति प्राप्त करने के लिए किया जा रहा है, जिसका आयोजक श्रीकल्वकोलनु चितरंजन दास स्मारक सेवा संस्थान है। संगठन की आध्यात्मिक सहयोगी संध्या वंदन अभ्यास शिक्षण समिति के निरीक्षण में संगठन संस्थापक अध्यक्ष गुरुदेव ब्रह्माश्री कल्वकोलनु रामचंद्रमूर्ति के परिवेक्षण में साधु–सत्पुरुषों का आशीर्वाद एवं श्रृंगेरी जगदगुरु की कृपा से एवं वैदिक विद्वानों की देखरेख में सप्त मोक्षपुरी में सर्वप्रथम अयोध्या में पूरे देश–विदेश से हजारों श्रीगायत्री मंत्र उपासक जुट रहे हैं। जो शतकोटि गायत्री मंत्र जप यज्ञ में सम्मिलित होंगे। यह जप यज्ञ 27 जुलाई से प्रारंभ होकर 31 जुलाई तक चलेगा। उक्त जानकारी कार्यक्रम संयोजक चन्द्रशेखर कुलकर्णी ने दी। उन्होंने बताया कि इस कार्यक्रम अंतर्गत संस्था के सदस्य पिछले चार वर्षों से कई करोड़ों गायत्री मंत्र का जप कर रहे व दशांश क्षीर तर्पण को पूरा किया है। ये जपता सिर्फ भारत से ही नहीं, बल्कि अमेरिका और कई अन्य देशों से भी हैं। अब पांच दिनों तक इस कार्यक्रम में दुनिया भर से लगभग पांच हजार लोग भाग लेंगे। कार्यक्रम के अभिन्न अंग रूप में श्रीसीताराम कल्याण, श्रीराम का राज्याभिषेक समारोह, सामूहिक सत्यनारायण व्रत, महिलाओं द्वारा कुमकुमार्चन, ब्रह्मश्री बुर्रा भास्कर शर्मा द्वारा श्रीमद्रामायण प्रवचन सप्ताह, शोभायात्रा, श्रीराम का आशीर्वाद प्राप्त करना। जो धर्म के अवतार हैं, जैसे कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे। 29 जुलाई सोमवार को प्रातः 5 बजे से सरयू तट पर सहस्त्राधिक सदस्यों द्वारा एक सामूहिक सभा का आयोजन किया जायेगा। यह यज्ञ समस्त मानव एवं अन्य प्रजातियों के कल्याण के लिए किया जा रहा है।

जिले के मशहूर ठग को गौरा पुलिस ने लखनऊ से किया गिरफ्तार

संवाददाता–बलरामपुर। फर्जी जमीन बिक्री के नाम पर 16 लाख 55 हजार रूपए ऐंठने वाले मशहूर ठग थाना गौरा चौराहा के हिस्ट्रीशीटर अशोक कुमार उर्फ लंगड़ को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। उसकी गिरफ्तारी शुक्रवार सुबह लखनऊ में हुई है। अशोक पर जिले के विभिन्न स्थानों में आधा दर्जन ठगी, धोखाधड़ी व गबन के केस दर्ज हैं। इसका मुख्य पेशा युवाओं को नौकरी दिलाने के बहाने ठगी करना है। अशोक की गिरफ्तारी से जिले के भोले भाले लोगों ने चैन की सांस ली है। गौरा चौराहा थाना प्रभारी निरीक्षक तेज नरायन गुप्ता ने बताया कि दिलीपपुर मठिया तारुन जिला अयोध्या निवासी राम तीरथ पुत्र स्वर्गीय जगराम को बलरामपुर में जमीन खरीदनी थी। वह गौरा चौराहा थाना क्षेत्र के परसा पुरैना निवासी अशोक कुमार उर्फ लंगड़ पुत्र राजकरन के संपर्क में आए। अशोक ने राम तीरथ को जिला कारागार के निकट जमीन दिखाई और कहा कि वह उन्हीं की है। दोनों के बीच सौदा तय हो गया। इस खेल में अशोक के घर का एक सदस्य भी शामिल है। राम तीरथ ने अशोक को 16 लाख 55 हजार रुपए भुगतान कर दिया। अशोक बैनामा करने के लिए राम तीरथ को तारीख पर तारीख देता रहा। बाद में राम तीरथ को पता चला कि यह जमीन अशोक की है ही नहीं। उन्होंने अशोक के विरुद्ध गौरा चौराहा थाना क्षेत्र में केस दर्ज करा दिया। अशोक पैसे लेकर फरार हो गया। पुलिस दो महीने से उसकी तलाश कर रही थी। प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि मुखबिर से पता चला कि अशोक इस समय लखनऊ में है। वह मटियारी सेमरा मोहन अपार्टमेंट फैजाबाद रोड के सामने अक्सर देखा जाता है। मुखबिर की बात पर भरोसा कर उपनिरीक्षक भीष्म प्रसाद चौधरी, महिला उप निरीक्षक हिमाद्री सिंह, हेड कांस्टेबल सत्य प्रकाश, अमित कुमार व कांस्टेबल प्रमोद कुमार को मौके पर भेजा गया। पुलिस की टीम गुरुवार रात ही लखनऊ के लिए रवाना हो गई। सुबह मुखबिर के बताए स्थान पर अशोक घूमता हुआ मिल गया और पुलिस टीम ने उसे गिरफ्तार कर लिया। अशोक के पास कई लग्जरी गाड़ियां थीं। दो साल पहले उसकी गाड़ियां जब्त हो गई। एक गाड़ी में नीली बत्ती लगी होने की बात भी सामने आई थी। वह कई बार सरकारी गनर की भी मांग कर चुका है। सरकारी गनर न मिलने पर प्राइवेट गनर उसके साथ रहते थे। अपने साथ वाकी टाकी भी रखता था। अधिकारियों पर भी रोब गालिब करने से नहीं चूकता था। तीन साल पहले गौरा चौराहा थाना में प्रभारी निरीक्षक से उसकी कहा सुनी हो गई थी। उसके बाद पुलिस उस पर नजर रखने लगी थी। अशोक महंगे कपड़े पहनता है। वह अपने को नेता अथवा किसी नेता मंत्री का रिश्तेदार बताकर लोगों को ठगने में माहिर है। रोजगार दिलाने के नाम पर उसने कई लाख रुपए की ठगी की है। तमाम युवा बेरोजगार उसकी ठगी का शिकार हो चुके हैं। वह कभी कुर्ता पाजामा तो कभी सूट टाई में रहता है। महंगे कपड़े व गाड़ी देखकर लोग आसानी से उसकी जाल में फंस जाते हैं। जिले के विभिन्न थानों में उसके खिलाफ ठगी के मुकदमे दर्ज हैं। गत वर्ष थाना महराजगंज तराई क्षेत्र में एक व्यक्ति का ट्रैक्टर आग में जल गया था। उसे नया ट्रैक्टर दिलाने के नाम पर अशोक ने 50 हजार रुपए उससे ठग लिया। प्रभारी निरीक्षक तेज नरायन गुप्ता के मुताबिक केवल गौरा थाने में ही उसके खिलाफ आधा दर्जन मामले दर्ज हैं। वह गौरा थाने का मजारिया हिस्ट्रीशीटर भी है। प्रभारी निरीक्षक तेज नरायन गुप्ता ने बताया कि उसके जेल जाने से लोग काफी खुश हैं।

5213 के सापेक्ष 4606 लोगों को ही मिल सका स्वनिधि योजना का लाभ

संवाददाता–बलरामपुर। प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के लाभ से ठेला खोमचा वाले वंचित हैं। उन्हें अपात्र बताकर फाइल बंद कर दी जाती है। ऋण न मिलने से वे अपना कारोबार नहीं कर पा रहे हैं। जिले के दर्जनों दुकानदार बेरोजगारी का दंश झेल रहे हैं। बैंकों की उदासीनता लोगों को लाभ पाने से वंचित कर देती है। इससे स्वरोजगार के लिए ऋण न मिलने से लोग मायूस हो जाते हैं। वहीं ऋण लेने वाले समय से अदायगी नहीं कर पाते जिस कारण उन्हें अगली चरण का लाभ नहीं मिल पाता। प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के तहत ठेला खोमचा वालों को ऋण दिए जाने का प्राविधान है। प्रथम चरण में 10 हजार रुपए मिलते हैं। प्रथम ऋण की अदायगी के बाद दूसरे चरण में 20 हजार रुपए मिलते हैं। इसकी भी अदायगी हो जाने पर तीसरे चरण में 50 हजार तक ऋण दिया जाता है। नगर पालिका बलरामपुर, उतरौला, नगर पंचायत तुलसीपुर, पचपेड़वा व गैंसड़ी में प्रथम चरण में 5213 ठेला दुकानदारों ने आवेदन किया था। इनके सापेक्ष अभी तक 4606 को ही ऋण मिल सका है। प्रथम चरण में 10 हजार ऋण के लिए जिले के पांचों नगर निकायों में 4610 ठेला दुकानदारों को पीएम स्वनिधि योजना का लाभ देने का लक्ष्य निर्धारित किया गया। इसमें नगर पालिका बलरामपुर में 2773, उतरौला में 1963, नगर पंचायत तुलसीपुर में 471, पचपेड़वा में 623 व गैंसड़ी में 283 ने आनलाइन आवेदन किया था। नपाप बलरामपुर में स्वीकृत 2635 में 2449 को ही ऋण दिया गया। उतरौला में स्वीकृत 978 में से 943, तुलसीपुर में 459 में से 448, पचपेड़वा 559 के सापेक्ष 555 व गैंसड़ी में स्वीकृत 214 में से 211 को ऋण दिया गया। 4606 के सापेक्ष सिर्फ 1759 लोगों ने ऋण की अदायगी की।

मनबढ़ों ने काट दी नहर, कई बीघा फसल डूबी

संवाददाता–देवरिया। बारिश न होने से तंग किसानों ने अपने खेतों की सिंचाई के लिए गुरुवार की रात में बसंतपुर के पास सेमरी रजवाहा नहर की पटरी को काट दिया। इसके चलते कटान स्थल के आसपास के दर्जनों किसानों की धान की फसल सिल्ट और पानी में डूब गई है। हर साल कुछ मनबढ़ लोग अपने लाभ के लिए नहर की पटरी को काट देते है जिससे आसपास के गरीब किसानों की फसल डूबकर बर्बाद हो जाती है। तरकुलवा थाना क्षेत्र के किसानों की फसलों की सिंचाई के लिए सेमरी रजवाहा कुशीनगर जिले के हेतिमपुर से नौतन हथियागढ़, भिसवा, गढ़रामपुर, बसंतपुर, पहाड़पुर, महुआपाटन, महुआपाटन, भरौटा, सिसवा, नरायनपुर, बंजरिया से होकर बघौचघाट खनुआ नदी तक जाती है।

मेडिकल कालेज में एक्सरे प्लेट समाप्त, निराश लौटे मरीज

संवाददाता–देवरिया। महर्षि देवरहा बाबा स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय की ओपीडी में शुक्रवार को रोगियों की भीड़ रही। वहीं डिजिटल एक्सरे सेंटर में एक्सरे फिल्म समाप्त हो गई। इसके चलते सौ से अधिक लोग बिना एक्सरे कराए ही लौट गए। वहीं प्रिंटर के मेंटेनेंस के चलते भी कामकाज प्रभावित रहा। मेडिकल कालेज में आए दिन एक्सरे की फिल्म समाप्त हो जाती है। कभी घंटे भर में तो कभी एक से दो दिन में फिल्म की व्यवस्था हो जाती है। शुक्रवार को भी सुबह से दोपहर करीब 12 बजे तक एक्सरे किया गया। इस बीच करीब 80 रोगियों का एक्सरे हो गया। इसके बाद एक्सरे फिल्म समाप्त हो गई। इसके चलते एक्सरे रोक दिया गया। इसके चलते सौ से अधिक रोगी वापस चले गए। करीब तीन घंटे बाद एक्सरे फिल्म डिजिटल एक्सरे सेंटर को मिल गई। पर कोई भी रोगी मौके पर नहीं था। शाम छह बजे के बाद वार्ड में भर्ती और इमरजेंसी के रोगियों एक्सरे शुरू किया गया। मेडिकल कालेज में एक्सरे फिल्म समाप्त होने पर कम्प्यूटर स्क्रीन पर दिख रहे एक्सरे की फोटो मोबाइल पर खींच कर रोगियों को दे दिया जाता था। इसे चिकित्सक देखकर इलाज कर लेते थे। सूत्रों की मानें तो किसी ने आरटीआई से इस बावत सूचना मांग ली। इसके बाद कालेज प्रशासन ने इस व्यवस्था पर रोक लगा दिया। इसके चलते फिल्म समाप्त होने के बाद किसी का एक्सरे नहीं किया गया। एक्सरे सेंटर के प्रिंटर का पिकअप विगत कई दिनों से खराब था। इसके चलते एक बार में एक प्रिंट का कमांड देने पर कई फिल्म उठा लेता था। तकनीशियन किसी तरह काम चला रहे थे।

आरती पर प्रतिबंध से आक्रोशित है पुरोहित समाज, योगी से मिलकर रखेगी अपनी बात

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। मां सरयू के पावन तट पर दशकों से आरती कर रहे पंडा समाज की नाराजगी सामने आई आज अयोध्या में जिला प्रशासन का तुगलकी फरमान जारी हुआ है, राम के नगरी में सरयू की तीन अलग अलग आरती प्रतिदिन होती है। इसमें प्रमुख रूप से आरती अंजनेय सेवा संस्थान द्वारा आरती कराई जाती है जिसमें शासन प्रशासन के लोग प्रतिदिन आरती करते हैं और इसी के साथ–साथ पूर्व सांसद लल्लू सिंह द्वारा भी आरती कराई जाती है यह भी आरती प्रतिदिन होती है और इसके साथ दशकों से पंडा और पुरोहित समाज के लोग भी सरयू आरती करते आ रहे है, जिला प्रशासन ने पंडा पुरोहित समाज के द्वारा संचालित सरयू आरती पर प्रतिबंध लगा दिया है ऐसा आप पंडा समाज के लोगों ने लगाया। रोक लगाने के बाद पुरोहित समाज आकर्षित हो गया मुख्यमंत्री से मिलने और अनशन पर बैठने की बात भी करने लगा और पुरोहित समाज का कहना है कि जिला प्रशासन ने हमारे आरती पर प्रतिबंध लगा दिया है पुलिस के द्वारा हमें प्रताड़ित किया जा रहा है। कल देर शाम सरयू आरती के लिए लगाए गए अस्थाई गेट को भी प्रशासन के द्वारा ध्वस्त कर दिया गया।

सरयू नृत्य आरती सेवा समिति के अध्यक्ष पप्पू पांडे ने कहा कि कई वर्षों से हम लोग यहां पर आरती करते आ रहे हैं. लेकिन, अचानक जिला प्रशासन ने आरती को बंद करने का फरमान जारी कर दिया। हम लोग काफी भयभीत हैं, जल्द ही हम लोग मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मिलकर इसकी शिकायत करेंगे और हमें आश्वासन नहीं मिला तो हम आमरण अनशन भी करेंगे। डीएम अयोध्या ने इस मामले पर बताया की आरती पर कोई प्रतिबंध नहीं लगाया गया है लेकिन घाटों पर जो अनधिकृत कब्जा किया गया था उसे हटाया गया है और जहां आरती होती है वहां आरती होगी कोई प्रतिबंध नहीं है लेकिन कोई अनाधिकृत कार्य नहीं कर सकता है क्योंकि वह पब्लिक स्पेस है और अगर कोई नई परंपरा डालता है तो पहले प्रशासन को बताएं प्रशासन इसकी जांच करेगा फिर उसकी अनुमति दी जाएगी।

नेपाल सीमा पर पकड़ा गया तस्करी का 16 कुंतल 80 किलो लहसुन

संवाददाता–श्रावस्ती। भारतीय क्षेत्र से तस्करी कर नेपाल पहुंचाया जा रहा भारी मात्रा में लहसुन को एसएसबी जवानों से पकड़ा है। इसके साथ ही दो ट्रैक्टर तथा एक ट्राली को भी पकड़ा है। जबकि ट्रैक्टर सवार लोग एसएसबी जवानों को देख कर भाग गए। एसएसबी ने लहसुन की तौल कराई तो 16 कुंतल 80 किलोग्राम मिला।

नेपाल सीमा पर कीमती वस्तुओं की तस्करी को रोकने के लिए एसएसबी जवान नियमित गश्त कर रहे हैं। शुक्रवार को मुखबिर ने सूचना दिया कि भारतीय क्षेत्र से भारी मात्रा में लहसुन नेपाल भेजने के लिए ट्राली पर लाद कर ले जाया जा रहा है। इस पर सीमा चौकी भरथा से दीवान सिंह कार्की, सहायक कमांडेंट के नेतृत्व में एक विशेष गश्त रवाना किया गया। सीमा चौकी हाकिमपुरवा से निरीक्षक चंद्रसेन के नेतृत्व में दूसरी गश्त पार्टी सीमा स्तम्भ संख्या 636 की तरफ रवाना की गई। इस दौरान एसएसबी बल कर्मियों को देख कर तस्कर ट्रैक्टर लेकर भागने लगे। इस पर दोनों गश्त पार्टियों ने पीछा किया। आगे जाकर तस्करों की ट्रैक्टर ट्राली कीचड़ में फंस गई और तस्कर ट्रैक्टर ट्राली छोड़ कर घने जंगलों में पगडंडी के रास्ते भागने में सफल रहे। मौके पर 1680 किलोग्राम लहसुन के साथ दो ट्रैक्टर एक ट्राली बरामद की गई। कागजी कार्रवाई करके एसएसबी जवानों ने जब्त 1680 किलोग्राम लहसुन व 2 ट्रैक्टर एक ट्राली को आगे की कार्रवाई के लिए सीमा शुल्क कार्यालय बहराइच के सुपुर्द कर दिया। इस मौके पर दीवान सिंह कार्की सहायक कमांडेंट के साथ निरीक्षक चंद्रसेन, सहायक उप निरीक्षक हीरा लाल पाल, सीमा चौकी सुईया, भरथा और हाकिमपुरवा के जवान शामिल रहे।

सामाजिक न्याय संघर्ष मोर्चा ने की आरक्षण की मांग

संवाददाता–देवरिया। सामाजिक न्याय संघर्ष मोर्चा की बैठक सिंचाई विभाग के डाक–बंगला पर शुक्रवार को संयोजक व जिला पंचायत सदस्य रामनिवास पासवान की अध्यक्षता में हुई। जिसमें संगठन के प्रमुख राष्ट्रीय मुद्दों पर चर्चा की गई। उन्होंने कहा कि जाति आधारित जनगणना किया हो, ओबीसी को लोकसभा व विधानसभा में आरक्षण लागू किया जाए। निःशुल्क शिक्षा व अनिवार्य शिक्षा एक देश एक समान शिक्षा लागू हो। उन्होंने कहा कि विभिन्न समस्याओं को लेकर 22 अगस्त को जिला अधिकारी कार्यालय के परिसर में एक दिवसीय धरना व सभा हम सभी करेंगे। इस दौरान रामनिवास पासवान, ओमप्रकाश कुशवाहा, चन्द्रेश्वर प्रसाद, पारसनाथ गुप्ता, सहदेव प्रसाद डॉ श्याम सुंदर कनौजिया, रामकिशोर चौहान, हरेंद्र पासवान, मिथिलेश, राम औतार, विरेन्द्र पासवान, सुरेन्द्र वर्मा, विजय जुआठा, सीपी निगम आदि की सर्व सम्मत से कमेटी का गठन किया गया।

कृषि मंत्री की समीक्षा बैठक में छाया रहा सड़कों की बदहाली का मुद्दा

संवाददाता–देवरिया। कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही की अध्यक्षता में शुक्रवार को विकास भवन स्थित गांधी सभागार में जिले के विभिन्न कार्यों की समीक्षा बैठक हुई। बैठक में बरहज विधायक दीपक मिश्र शाका ने क्षेत्र में सड़कों की बदहाली का मुद्दा उठाते हुए क्षतिग्रस्त करूआना–बरहज मार्ग को लेकर कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए अविलंब सड़क निर्माण की मांग की।

समीक्षा के दौरान कृषि मंत्री शाही ने शासन की मंशानुरूप उच्च गुणवत्ता एवं समयबद्धता के साथ सरकार की कल्याणकारी योजनाओं को क्रियान्वित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि वृक्षारोपण अभियान के अंतर्गत लगाए गए पौधों की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए। इसके लिए पौधारोपण के बड़े क्लस्टरों में मनरेगा से एक–एक श्रमिक को लगाया जाए जो पौधों की देखरेख करें एवं नियमित रूप से पानी दें। डीएफओ जगदीश आर ने बताया कि जनपद में ऐसे कुल 120 क्लस्टर चिन्हित हैं।

बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग की समीक्षा में कृषि मंत्री ने जनपद के समस्त आंगनबाड़ी केंद्रों को यूनिसेफ द्वारा निर्धारित 18 पैरामीटर से आच्छादित करने का निर्देश दिया। जिला कार्यक्रम अधिकारी कृष्णकांत राय ने बताया कि जनपद के नवसृजित छह नगर निकायों में 26 आंगनबाड़ी केंद्र बनाए जाएंगे। कृषि मंत्री ने किसान सम्मान निधि की समीक्षा की। जनपद के 5,26,892 किसान अब तक इससे लाभांवित हो चुके हैं।

कृषि मंत्री ने एलडीएम को सभी बैंक शाखाओं में अलग से किसानों के लिए समर्पित केवाईसी काउंटर खोलने का निर्देश दिया। साथ ही कहा कि अभियान चलाकर केसीसी बनाया जाए। जिलाधिकारी दिव्या मित्तल ने कृषि मंत्री एवं समस्त उपस्थित जन प्रतिनिधियों को उठाये गए समस्त प्रकरणों पर प्रभावी कार्रवाई के लिए आश्वस्त किया। बैठक में पुलिस अधीक्षक संकल्प शर्मा, सीडीओ प्रत्यूष पांडेय, सीएमओ डॉ. राजेश झा, डीएफओ जगदीश आर सहित सभी विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

सदर विधायक शलभ मणि त्रिपाठी ने मेडिकल कॉलेज में आमजन को हो रही असुविधा का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि मेडिकल कॉलेज में जांच मशीनें खराब होने से मरीजों और उनके तीमारदारों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। साथ ही मेडिकल कॉलेज में अनधिकृत व्यक्तियों के सक्रिय रहने की सूचना मिलती रहती है, जिसकी जांच कराई जाए।

उन्होंने आयुष्मान कार्ड के लिए इनपेनल्ड हॉस्पिटलों की सूची मेडिकल कॉलेज सहित विभिन्न स्वास्थ्य केंद्रों में दृश्य स्थानों पर लगाने के लिए कहा। विधायक रुद्रपुर जयप्रकाश निषाद ने देवरिया–पकड़ी मार्ग का मुद्दा उठाया। साथ ही उन्होंने कहा कि भूमि अधिग्रहण के लिए हो रहे भुगतान को अधिक पारदर्शिता के साथ किया जाए। बरहज विधायक दीपक मिश्रा शाका ने करूअना–मगहरा के मार्ग के अब तक न बनने पर गहरी नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने जनहित में मार्ग के शीघ्रातिशीघ्र निर्माण कराने के लिए कहा, जिस पर डीएम ने उन्हें आश्वस्त किया कि इसका निर्माण जल्द ही पूर्ण कराया जाएगा। एमएलसी रतन पाल सिंह ने उद्यान विभाग की योजनाओं के प्रचार–प्रसार पर जोर दिया।

कृषि मंत्री ने निर्धारित समयावधि में खराब ट्रांसफॉर्मर न बदले जाने पर गहरी नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि शासन ने 48 घण्टो में खराब ट्रांसफार्मर बदलने का निर्देश दिया है। अधिशासी अभियंता वर्कशॉप ने बताया कि 15 जुलाई तक 427 खराब ट्रांसफार्मर बदले जा चुके हैं। क्षमता से अधिक लोड पड़ने, बारिश, आकाशीय बिजली जैसी वजहों से ट्रांसफॉर्मर अधिक संख्या में खराब हो रहे हैं। उन्होंने ट्रांसफॉर्मरों की क्षमता वृद्धि अभियान चलाकर करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि विद्युत विभाग प्रवर्तन संबन्धी कार्रवाई करते समय किसानों और गरीब व्यक्तियों के साथ नरमी से पेश आएं।

एसडीएम ने किया तहसील कार्यालय का निरीक्षण, मचा हड़कंप

संवाददाता–देवरिया। देवरिया सदर के एसडीएम ने शुक्रवार को तहसीलदार के साथ सदर तहसील का औचक निरीक्षण किया। एक घंटे तक चले निरीक्षण में परिसर में काफी अव्यवस्था मिली। उन्होंने मातहतों को उसे ठीक करने का निर्देश दिया। इस दौरान उन्होंने प्राइवेट मुंशी रखकर कार्य कराने वाले कर्मचारियों के विरुद्ध कार्रवाई का निर्देश दिया। एसडीएम की निरीक्षण के दौरान परिसर में हड़कंप मचा रहा। एसडीएम विपिन कुमार द्विवेदी सबसे पहले तहसीलदार सदर कृष्ण कुमार मिश्र के कार्यालय पहुंचे। यहां से तहसीलदार के साथ परिसर स्थित कार्यालयों का निरीक्षण करने के लिए निकले। इसके बाद एसडीएम मतदाता पंजीकरण केन्द्र पहुंचे और वहां मौजूद कर्मचारियों के बारे में जानकारी लिया। उन्होंने आपदा कार्यालय, रजिस्ट्रार कानूनगों कार्यालय, अभिलेखागार एवं माल बाबू के कार्यालय का निरीक्षण किया। जहां वर सभी कर्मचारी ड्यूटी पर मुस्तैद थे। एसडीएम ने पटल पर पत्रावलियों का रख–रखाव को सही करने का निर्देश दिया। इसके बाद कार्यालय के विभिन्न कार्यों के निस्तारण स्थिति की समीक्षा गयी। इस दौरान माल बाबू के पटल से सम्बन्धित पत्रावलियों का रख–रखाव अस्त–व्यस्त पाया गया, जिसके सम्बन्ध में माल बाबू को चेतावनी देते हुये भविष्य में कार्य में सुधार लाने का निर्देश दिया। एसडीएम ने नजारत अनुभाग का निरीक्षण एवं तहसील परिसर की साफ–सफाई नियमित रूप से कराये जाने का नायब नाजिर को निर्देशित किया।

सभी पटलों के पटल सहायक उपस्थित थे। परिसर में किसी भी पटल पर प्राईवेट मुंशी कार्य करते हुए नहीं मिले। इस सम्बन्ध में सभी पटल सहायक को निर्देशित किया गया कि किसी भी पटल पर प्राईवेट मुंशीयो के द्वारा कार्य न लिया जाये, अन्यथा के स्थिति में उनके विरूद्ध विभागीय कार्यवाही संचालित कर दी जायेगी। इस सम्बन्ध में सभी पटल सहायक एवं कर्मचारियों की एक बैठक करके कार्यों में सुधार लाने एवं समस्त शासकीय कार्यों का समय से निस्तारण किये जाने का निर्देश दिया।

भारतीय सेना की दुनिया मानती है लोहा -अमित

संवाददाता–देवरिया। कस्बा के मदन मोहन मालवीय पीजी कॉलेज स्थित स्मार्ट सभागार में कारगिल विजय दिवस पर शुक्रवार को संगोष्ठी का आयोजन हुआ। जिसमें वक्ताओं ने कारगिल विजय दिवस पर बात रखी। मुख्य अतिथि आचार्य नरेंद्र देव पीजी कॉलेज बभनान के सहायक आचार्य अमित त्रिपाठी ने कहा कि कारगिल में भारतीय सैनिकों ने जो शौर्य दिखाया उसके चलते पूरी दुनिया भारतीय सेना का लोहा मानती है। उन्होंने कहा कि कारगिल युद्ध का अध्ययन पूरी दुनिया कर रही है। यह युद्ध 14 से 18 हजार ऊंची पहाड़ियों पर लड़ा गया। दुश्मन पहाड़ की ऊंचाइयों के बंकरों से हमला कर रहा था। भारत के जवान नीचे से जवाबी कार्रवाई करते हुए शिखर पर पहुंच रहे थे। ये जवान संकल्प लिए थे कि में वापस तो आऊंगा तिरंगा के साथ या फिर तिरंगे में लिपट कर। विशिष्ट अतिथि संस्थान के उपाध्यक्ष डॉ पवन कुमार राय ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री ने कहा था कि हम दोस्त बदल सकते हैं पर पड़ोसी नहीं बदल सकते।

भारत को दो–दो ऐसे पड़ोसी मिले हैं जिनकी नियत में खोट है तथा वे हमारे देश को तोड़ने की साजिश करते रहते हैं। ऐसे में भारत के प्रत्येक नागरिक को जागरूक रहकर विभाजनकारी मानसिकता को पहचान करने की जरूरत है। गोष्ठी का शुभारंभ संस्थान की छात्रा आंचल तिवारी के सरस्वती वंदना एवं स्वागत से हुआ। अतिथियों ने अमर जवान शहीदों के चित्र पर दीप प्रज्वलित कर पुष्प अर्पित किया। संचालन आयोजक डॉ अंशुमान सिंह ने किया। अध्यक्षता प्रो.के. एन. मिश्र ने की।

प्रबंधक व वरिष्ठ भाजपा नेता राघवेंद्र वीर विक्रम सिंह एवं प्राचार्य प्रोफेसर सतीश चंद्र गौड़ ने आयोजक मंडल टीम को धन्यवाद ज्ञापित की। डॉ विदुषी सिंह ने आगंतुक अतिथियों के प्रति आभार प्रकट की। गोष्ठी में पूर्व प्राचार्य डॉ राकेश कुमार, डॉ रणजीत सिंह, डॉ सुशील पांडेय, डॉ. श्रीनिवास मिश्र, डॉ अवनीत सिंह, डॉ.मनोज कुमार, डॉ. धर्म जीत मिश्र, डॉ ज्ञानप्रकाश, डॉ महेन्द्र मिश्र, डॉ वी. के.ओझा, डॉ. संतोष पासवान – रिया तिवारी, मनीषा, स्विटी पांडेय, प्रगति वर्मा, आनंद कुमार शिवप्रसाद, प्रवीण शाही शिव प्रताप सिंह आदि मौजूद रहे।

कारगिल विजय दिवस पर बरनवाल युवा मंच ने किया रक्तदान

संवाददाता–देवरिया। बरनवाल युवा मंच ने कारगिल विजय दिवस पर शुक्रवार को रक्तदान शिविर का आयोजन किया। इसमें मंच से जुड़े 10 युवाओं ने रक्तदान कर दूसरों का जीवन बचाने का संकल्प लिया। मुख्य अतिथि बरनवाल समाज की बुजुर्ग महिला शोभारानी ने फीता काटकर रक्तदान शिविर का शुभारंभ किया। उन्होंने कहाकि रक्तदान कर हम दूसरों का जीवन बचा सकते हैं। बरनवाल समाज के युवाओं ने रक्तदान का संकल्प लेकर नेक कार्य किया है। इस मौके पर नागेंद्र कुमार बरनवाल, अमित बरनवाल, विनय बरनवाल, निमेष बरनवाल, आदर्श बरनवाल, कौशिकी बरनवाल, नमन बरनवाल, प्रत्यूष बरनवाल, अंकित बरनवाल, शैलेष, अंशुतोष, प्रतीक, शुभ, कुशान, आदर्श जायसवाल, अर्पित आदि ने रक्तदान किया। इस अवसर पर रेडक्रास के अखिलेंद्र शाही, नवनीत अग्रवाल, बरनवाल समाज के संरक्षक श्याम सुंदर बरनवाल, नरेंद्र बरनवाल, अमयनन्दन बरनवाल, आशीष, अटल, जयेश बरनवाल, नवनीत, राकेश बरनवाल, शशिबाला बरनवाल, अनामिका, प्रशांत, प्रतिभा बरनवाल आदि उपस्थित रहे।

खाद्य सुरक्षा अधिकारियों ने एमडीएम के नौ नमूने लिए

संवाददाता–देवरिया। खाद्य सुरक्षा अधिकारियों ने जिले के विभिन्न ब्लाकों में स्थित परिषदीय विद्यालयों में रसोई का निरीक्षण किया। इन विद्यालयों में तैयार मध्याह्न भोजन के नौ नमूने संग्रहित किए। टीम ने रोटी, तैयार, चावल, तैयार सब्जी व पक्की हुई दाल के नमूने लिए। विद्यालयों में उपस्थित कुल 229 बच्चों को संचारी रोग से बचाव के उपाय बताए गए। साथ ही खाद्य सुरक्षा के बारे में जागरूक किया गया। इसके अलावा सलेमपुर के पिपरा नाजिर वार्ड की पीडीएस दुकान का निरीक्षण कर गेहूं व चावल के नमूने संग्रहित किए।

कारगिल दिवस पर वीर जवानों को किया गया नमन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। प्रॉमिनेंट पब्लिक स्कूल के बच्चों ने कारगिल दिवस पर देश के उन वीर सपूतों को याद किया जिन्होंने छल से हमला करने वाले पाकिस्तानी सेना के जवानों के छक्के छुड़ा दिए और उन्हें मार गिराया गया। ज्ञात हो की 1999 में पाकिस्तानी फौज ने जम्मू कश्मीर की सबसे ऊंची पहाड़ियों पर चुपचाप अपने बंकर बना लिए थे किंतु जैसे ही अपनी आर्मी को जानकारी हुई वैसे ही तत्काल उन्हें हटाने के लिए युद्ध छेड़ दिया जिसमें हमारे बहुत सारे वीर जवानो को शहादत देनी पड़ी। आज कारगिल युद्ध को हुए 25 वर्ष बीत गए हैं और हम अपने वीर शहीदों को याद करते हैं जिन्होंने टाइगर हिल जैसे ऊंची पहाड़ियों पर अपना कब्जा पुनः जमा लिया था और पाकिस्तानियों के बने सभी बंकर तहस नहस कर दिए। प्रॉमिनेंट के बच्चों ने उन सभी वीर जवानों को सैल्यूट किया और जय भारत, जय जवान तथा वंदे मातरम का नारा लगाया उक्त अवसर पर बच्चे एवं शिक्षक उपस्थित थे।

योगी में पहले भी था विश्वास, आज भी है भरोसा, वही हमारे नेता -पूर्व मंत्री फतेह बहादुर

संवाददाता—गोरखपुर। पूर्व मंत्री और कैम्पियरगंज से भाजपा विधायक फतेह बहादुर सिंह ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को अपना नेता बताते हुए कहा है कि योगी जी पर पहले भी भरोसा था और आज भी विश्वास है। खुद के जान—माल के खतरे को लेकर हो रही उच्च स्तरीय जांच से संतुष्ट बताते हुए फतेह बहादुर सिंह ने कहा कि उन्हें पिछले पांच सालों से उपलब्ध कराई गई वाई प्लस श्रेणी की सुरक्षा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की देन है और वह पूरी निष्ठा और आस्था के साथ सीएम योगी के साथ पहले भी थे और अब भी हैं। शुक्रवार को अपने लेटर हेड पर एक बयान जारी करते हुए फतेह बहादुर सिंह ने कहा, अभी हाल ही में कथित तौर पर कुछ व्यक्तियों द्वारा मेरी जान—माल का खतरा बताया गया, जिसकी प्रशासन द्वारा उच्च स्तरीय जांच एसटीएफ द्वारा कराई जा रही है, लेकिन अभी तक उसकी पुष्टि नहीं हो पाई है। मैं जांच से पूरी तरह संतुष्ट हूं। पूर्व मंत्री सिंह ने यह भी कहा है, व्यक्तिगत रूप से मैं माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के साथ पहले भी था और अभी भी हूं। यहां यह भी स्पष्ट करना चाहूंगा कि मुझे पिछले पांच वर्षों से वाई प्लस श्रेणी की सुरक्षा भी माननीय मुख्यमंत्री जी द्वारा उपलब्ध कराई गई है। माननीय मुख्यमंत्री जी योगी आदित्यनाथ जी महाराज के नेतृत्व में मैं पूरी तरह निष्ठा एवं आस्था के साथ विश्वास रखता हूं। माननीय योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश का उत्तरोत्तर चहुमुखी विकास हो रहा है, जिसकी पूरे देश में सराहना की जा रही है। बतादें कि सीएम योगी के निर्देश पर विधायक फतेह बहादुर सिंह को वाई प्लस श्रेणी की सुरक्षा प्राप्त है। इसके तहत वर्तमान समय में कुल 11 सुरक्षाकर्मी (1–4 की गार्द तथा 6 पीएसओ 8–8 घंटे के लिए) लगाए गए हैं।

चौरीचौरा में सपा राष्ट्रीय महासचिव ने किया पीएडीए पौधरोपण

संवाददाता—गोरखपुर। चौरीचौरा विधानसभा के देवीपुर में जिला सचिव अम्बरीश यादव के नेतृत्व में पीडीए पौधरोपण महाअभियान के तहत सपा के राष्ट्रीय महासचिव राम अचल राजभर ने पौधारोपण किया। राजभर ने कहा कि पीडीए पौधरोपण से सपा की जड़े मजबूत होंगी और गांव गांव कार्यकताओं में जोश और उत्साह बढ़ेगा और उनकी जड़े मजबूत होंगी। भाजपा सरकार में महंगाई बेरोजगारी चरम पर है। युवा बेरोजगार होकर सड़को पर घूम रहे हैं। दलित शोषित वंचित समाज के साथ अत्याचार हो रहा है। जिलाध्यक्ष बृजेश गौतम ने कहा कि पीडीए पौधा रोपण अभियान से पार्टी की जड़े मजबूत होंगी। भाजपा सरकार में सिर्फ वादे किए जाते हैं। संविधान विरोधी यह सरकार दलित समाज के हक और अधिकारों को छीनने का कार्य करती है।

श्यामनारायण यादव ने कहा कि बीजेपी सरकार में पिछड़े समाज का उत्पीड़न किया जा रहा है। भारतीय जनता पार्टी सिर्फ धर्म और मजहब के नाम राजनीति करती है। इस अवसर पर मुन्नीलाल यादव, दयानंद विद्रोही, मनोज कुमार गौतम बबलू, अंसारी, मार्कण्डेय यादव, रणजीत पासवान, मजीद सिद्दीकी, नरसिंह यादव, अरविंद यादव, दीपक कुमार भारती, बाबूलाल निषाद, जय कुमार साहनी, नौशाद आलम, श्रीनिवास यादव, विरेन्द्र यादव, जितेंद्र यादव, दुर्गेश यादव, नरेन्द्र गौड़, संदीप गौड़, अमरजीत पासवान, राजन पासवान, रामनिवास राजभर, मोहित राजभर, दीना राजभर सहित तमाम लोग मौजूद रहें।

मानक विहीन विद्यालयों पर प्रशासन की नजर टेढ़ी, होगी कार्रवाई

संवाददाता—संतकबीरनगर। संतकबीरनगर जिले में चल रहे मानक विहीन स्कूलों पर प्रशासन की नजर टेढ़ी हो गई है। ऐसे विद्यालयों की जांच शुरू हो गई है। चेतावनी के बाद भी शिक्षण कार्य जारी रखा तो मुकदमा दर्ज कराया जाएगा। प्रशासन की कार्रवाई शुरू होने के बाद नियम विरुद्ध चल रहे अवैध स्कूलों के संचालकों में हड़कम्प मच गया है।

ज्ञात हो की बीईओ अरुण प्रताप सिंह के नेतृत्व में टीम ने नाथनगर क्षेत्र के एक दर्जन से अधिक विद्यालय की जांच की थी। इस दौरान नौ प्राइवेट प्राथमिक विद्यालय बगैर यू डायस कोड और मान्यता के अवैध तरीके से संचालित होते मिले थे। उन्होंने बताया कि नाथनगर क्षेत्र अधिकांश गांवों में छोटे कमरे के ऊपर टीन शेड रखकर अवैध तरीके से विद्यालय संचालन करने की होड़ मची है।

ये स्कूल शैक्षणिक सत्र की शुरुआत होते ही लुभावने वायदे करके नौनिहालों का भविष्य अंधर में लटकाने के साथ अभिभावकों के जेब पर डाका डाल दे रहे हैं। इसी पर अंकुश लगाने के लिए छापेमारी अभियान शुरू किया गया है। दर्जनों विद्यालय पहुंचकर अभिलेख की जांच के साथ मानक की बारीकी जांची। उन्होंने बताया कि इस दौरान यू डायस कोड और बगैर मान्यता के संचालित हो रहे आरबीएस एकेडमी भैंसहीजोत कला, स्व. राम रती देवी पूर्व माध्यमिक विद्यालय जगदीशपुर गौरा (हरिहरपुर), डिवाइन पब्लिक स्कूल भैंसही उर्फ भैंसवरिया (कुशहवा बाजार), जेबीएम एकेडमी लुतुही, मदरसा मोइनुल इस्लाम छितही, गोंड कृष्णा पब्लिक स्कूल काली जगदीशपुर, पण्डित राज किशोर पाण्डेय प्राथमिक विद्यालय तरयापार, एसडीपी इंटरनेशनल एकेडमी गौरा खुर्द एवं मदरसा अरबिया दारुल उलूम महादेवा अवैध तरीके से संचालित होता मिला।

उन्होंने बताया कि उक्त विद्यालय संचालकों को नोटिस दी गई। तत्काल विद्यालय बंद कर अध्ययनरत बच्चों को नजदीक के परिषदीय विद्यालय या यू डायस कोड मान्यता प्राप्त विद्यालय पर अविलम्ब पंजीकरण कराने का निर्देश दिया गया है। बीईओ ने बताया कि अगर नोटिस देने के बाद पुनः विद्यालय पर बगैर मान्यता के शैक्षणिक कार्य होता हुआ मिला तो उनके विरुद्ध एफआईआर दर्ज कराने के साथ जुर्माना वसूली की प्रक्रिया की जाएगी।

कारगिल विजय भावी पीढ़ियों को दिलाती रहेगी गौरव का एहसास

संवाददाता—संतकबीरनगर। संतकबीरनगर जिले के एचआरपीजी कालेज के सैन्य विज्ञान के अध्यक्ष डॉ. अमित मिश्र ने कहा कि कारगिल युद्ध विजय देश की आने वाली पीढ़ियों को गौरव का एहसास दिलाती रहेगी। वे शहीदों के सम्मान में आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि हमारे वीर सैनिकों के अदम्य साहस व पराक्रम ने शत्रु सेना को धूल चटाकर अपनी क्षमता का अहसास कराया। इस अवसर पर राजनीति विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. शशिकांत राव ने कहा कि कारगिल विजय ने दक्षिण एशिया की भू राजनीति में भारत के वर्चस्व को बढ़ाने में सहयोग किया था।

इस मौके पर सैन्य विज्ञान विभाग के छात्र—छात्राओं ने वीर जवानों की याद में कारगिल क्षेत्र का युद्ध मॉडल बना कर नमन किया। उक्त कार्यक्रम में जम्मू कश्मीर अध्ययन केंद्र का सहयोग भी मिला। इस अवसर पर करिश्मा, ममता, सचिन, अमन, अनामिका, हरमीत, अनुज आदि छात्र—छात्राएं उपस्थित रहे।

बैंकों में लम्बित उद्यमियों की फाइलों की समस्या दूर करें

संवाददाता—संतकबीरनगर। जिले के डीएम ने लीड बैंक मैनेजर से कहा कि वे बैंकों में लम्बित उद्यमियों की फाइलों की समस्या दूर करायें ताकि प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम योजना, मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना एवं एक जनपद एक उत्पाद वित्तपोषण योजना को गति मिल सके। उन्होंने सम्बन्धित विभागों को निवेश मित्र पोर्टल पर लम्बित प्रकरणों को यथाशीघ्र निस्तारण करने के लिए निर्देशित किया। इसके साथ ही निर्देश दिया कि ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के अन्तर्गत प्राप्त एमओयू एवं जीबीसी जो धरातल पर उतरने वाले हैं एवं ऐसे एमओयू जिनकी वित्तीय, भूमि एवं बिजली इत्यादि से सम्बन्धित समस्या हो सभी का निरीक्षण कर समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करें। किसी भी प्रकार की समस्या है, तो उपायुक्त उद्योग के माध्यम से अवगत कराएं। जिलाधिकारी ने अधिशासी अधिकारी नगर पालिका को निर्देशित किया कि औद्योगिक क्षेत्र खलीलाबाद के अनुरक्षण शुल्क जमा करने के सम्बन्ध में प्रस्ताव तैयार करा कर बोर्ड की बैठक में प्रस्तुत कर आवश्यक कार्यवाई करें। आवेदन पत्रों का प्रथम स्टेज एवं द्वितीय स्टेज से वेरिफिकेशन कराकर समिति के समक्ष प्रस्तुत कर अनुमोदनोपरान्त आवेदन पत्र अग्रसारित करना सुनिश्चित करें।

तत्परता, तकनीक, कौशल से होगा प्रगति का मार्ग प्रशस्त –प्राचार्य

संवाददाता—गोरखपुर। शहीद बंधू सिंह पीजी कॉलेज करमहा में शुक्रवार को सरकार द्वारा संचालित डीजी शक्ति योजना के तहत पी.जी. के साठ विद्यार्थियों को टेबलेट वितरित किया गया। प्राचार्य डॉ. यू.पी.सिंह ने विद्यार्थियों को संबोधन करते हुए कहा कि तत्परता, तकनीक और कौशल के सही सामंजस्य से विद्यार्थियों को अपने प्रगति के मार्ग प्रशस्त करने होंगे। सरकार द्वारा चलाई जा रही इस योजना से विद्यार्थियों को उपरोक्त सबका लाभ मिल सकेगा। श्री लल्लन द्विवेदी इंटर कालेज के पूर्व प्रधानाचार्य प्रद्युम्न द्विवेदी व डॉ. अशोक सिंह ने भी विद्यार्थियों को संबोधित किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के नोडल अधिकारी डॉ.अनिल कुमार सिंह, मुख्य नियंता आनन्द प्रताप निषाद, महाविद्यालय के कम्प्यूटर शिक्षक लक्ष्मण साहनी, आकाशदीप की भी भूमिका महत्वपूर्ण रही।

शहीद बंधू सिंह पीजी कॉलेज के रासेयो के कार्यक्रम प्रभारी डॉ. जितेंद्र कुमार के दिशा निर्देश में महाविद्यालय परिसर में एक पेड़ मां के नाम के पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कॉलेज के प्राचार्य डॉ. यू.पी.सिंह ने पौधरोपण के साथ इस कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इसके बाद कॉलेज के सभी शिक्षकों, कर्मचारियों व छात्रों ने पौधरोपण किया। इस अवसर पर भूगोल विभाग के अध्यक्ष डॉ. रविन्द्र सिंह सहित सभी विभागों के अध्यक्ष शिक्षक व कर्मचारी उपस्थित रहे।

पुल से चिलुआताल में कूद कर वृद्ध ने दे दी जान

संवाददाता—गोरखपुर। गुलरिहा थाना क्षेत्र के भटहट मलंग स्थान रोड पर स्थित माँ बामंत माता स्थान के पास स्थित पक्के पुल से एक वृद्ध पानी में कूद कर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली सूचना पर पहुंची गुलरिहा पुलिस शव पानी से निकाल विधिक कार्यवाही कर पीयम के लिये भेज दिया।

बांस स्थान मन्दिर के पास स्थित पक्के पुल से चिलुआताल में शुक्रवार सुबह एक वृद्ध ने कूद कर अपनी जान दे दी।घटना की सूचना पर पहुंची गुलरिहा पुलिस ने आसपास के लोगों की मदद से शव को बाहर निकलवाया घटना स्थल पर जुटी भीड ने मृतक की पहचान सरहरी चौकी क्षेत्र के महराजगंज गांव के राजी टोला निवासी साठ वर्षीय चन्द्र बली के रुप में किया। मृतक के दो बेटे हैं दोनों अलग—अलग रहते हैं।पत्नी की बहुत पहले मृत्यु हो गयी थी वे इच्छानुसार दोनों बेटों के पास रहते थे। शुक्रवार सुबह करीब सात बजे घर से निकले थे पुल पर मृतक की चप्पल पड़ी हुई थी पुलिस आवश्यक कार्रवाई के बाद शव को पोस्टमार्टम भेज दिया।

महिलाओं की सेहत पर सेमिनार आज से, नौ राज्यों से 450 विशेषज्ञ करेंगे शिरकत

संवाददाता—गोरखपुर। महिलाओं की प्रजनन अवस्था के दौरान उनके संपूर्ण शारीरिक स्वास्थ्य को लेकर राष्ट्रीय कांफ्रेंस कल से शुरू होगा। शनिवार से शुरू होने वाले इस राष्ट्रीय कांफ्रेंस में नौ राज्यों की साढे चार सौ स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ शिरकत करेंगे। आमतौर पर महिलाओं की प्रजनन आयु 15 वर्ष से लेकर 45 वर्ष के बीच मानी जाती है। इसी आयु वर्ग में महिलाओं को शारीरिक व मानसिक चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। इसे रिप्रोडक्टिव एज भी कहते हैं। इस अवस्था में महिलाओं को होने वाली बीमारियों, उनके कारण व इलाज पर नौ राज्यों के डॉक्टर मंथन करेंगे। इसको लेकर नॉर्थ इंडिया गायनी फोरम(एनआईजीएफ) सालाना कांफ्रेंस करने जा रहा है। महानगर के मोहद्दीपुर स्थित होटल में शनिवार व रविवार को कांफ्रेंस होगा। दो दिन में उत्तर भारत के नौ राज्यों के 450 अधिक स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ इस मंथन में शामिल होंगे। पहली बार एनआईजीएफ अपना सालाना कांफ्रेंस गोरखपुर में कर रहा है। इसमें एम्स दिल्ली, रायबरेली, जम्मू कश्मीर, ऋषिकेश, गोरखपुर, पीजीआई चंडीगढ़, रोहतक, लखनऊ के अलावा नौ प्रदेश के मेडिकल कॉलेज से विशेषज्ञ शामिल होंगे।

यह जानकारी आयोजन समिति की अध्यक्ष डॉ साधना गुप्ता व सचिव डॉ अमृता सरकारी जयपुरिया ने दी। आयोजन समिति में शामिल डॉ बबीता शुक्ला, डॉ अरुण छापड़िया, डॉ अल्पना अग्रवाल, एम्स के गायनी की विभागाध्यक्ष डॉ शिखा सेठ और डॉ अनुभा गुप्ता ने बताया कि प्रजनन की अवस्था में महिलाओं और चिकित्सकों दोनों के सामने चुनौतियां होती हैं।

अदालती नोटिस

वाद के निपटारे के लिये सम्मन
(आदेश 5 के नियम 1 और 5 व्या0प्र0 संहिता 1908)
मूलवाद संख्या 748/2022
न्यायालय– श्रीमान सिविल जज (जू0डि0)/स्थान नौगढ़ जिला सिद्धार्थनगर

चन्द्रावती आदि
बनाम
प्रमोद आदि

1. प्रमोद कुमार 2. मोहन पुत्रगण रामशंकर साकिनान अमहटवा पो0 लोटन तप्पा नेतवर परगना विनायकपुर तहसील नौगढ़ जिला सिद्धार्थनगर 3. सुभावती उम्र करीब 44 साल पत्नी धर्मराज साकिन तिवारीपुर पो0 बराव नानकार तप्पा पचहर परगना बांसी पश्चिम तहसील बांसी जिला—सिद्धार्थनगर
–प्रतिवादीगण प्रथम पक्ष
4. ओम प्रकाश उम्र करीब 42 साल पुत्र स्व0 तुलसी 5. राम प्रसाद उम्र करीब 42 साल 6. सोमई उम्र करीब 40 साल पुत्रगण स्व0 सूर्यनाथ साकिनान मुड़िला पो0 चौरी महुलानी तप्पा निकसौली परगना व तहसील नौगढ़ जनपद सिद्धार्थनगर
–प्रतिवादीगण द्वितीय पक्ष
7. प्रभुदयाल उम्र करीब 35 साल पुत्र बेचन साकिन मुड़िला पो0 चौरी महुलानी तप्पा निकसौली परगना व तहसील नौगढ़ जनपद सिद्धार्थनगर
–प्रतिवादीगण तृतीय पक्ष

तारीख पेशी 21—08—2024

प्रतिवादी ने आपके विरुद्ध के लिये वाद संस्थित किया है। आपको इस न्यायालय में दिनांक **21—08—2024** को दिन में 10 बजे वाद का उत्तर देने के लिये उपसंजात (हाजिर) होने के लिये समन किया जाता है। आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे अधिवक्ता प्लीडर द्वारा उप संजात हो सकते हैं। जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हों और जो बात से सम्बन्धित सभी सारवान प्रश्नों का उत्तर दे सके या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति हो जो ऐसे सब प्रश्नों का उत्तर दे सके न्यायालय में आपके उप संजात के लिये जो दिन नियत किया गया है वह इस वाद के अन्तिम निपटारे के लिये नियत दिन है। इसलिये आपको उस दिन अपने उन सब साक्षियों को या उन सब दस्तावेजों को पेश करने के लिये तैयार रहना चाहिये जिन पर आप अपनी प्रतिरक्षा के लिये निर्भर रहना चाहते हैं।

आपको सूचित किया जाता है कि यदि अगर ऊपर बतायी गयी तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नहीं होंगे तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा।

यह आज तारीख 26–07–2024 को मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है।

न्यायाधीश

स्वतंत्रता दिवस परेड के लिए डीडीयू के चार विद्यार्थी चयनित

संवाददाता—गोरखपुर। स्वतंत्रता दिवस परेड के लिए पहली बार दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के चार विद्यार्थियों का चयन हुआ है। ये चारों विद्यार्थी राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक हैं। तीन छात्र—छात्राएं लोक गीत और लोक नृत्य की प्रस्तुति देंगे, जबकि एक छात्र का चयन चित्रकला में हुआ है।

नई दिल्ली में 15 अगस्त पर निकलने वाले परेड के लिए डीडीयू के चार छात्र—छात्राएं एक साथ अलग—अलग कलाओं में प्रदर्शन करते दिखेंगे। इटावा में 11–17 मार्च तक आयोजित नेशनल इंटीग्रेशन कैंप आयोजित था। डीडीयू के बीए तृतीय वर्ष के छात्र आकाश कुमार ने ड्राइंग में, डीडीयू के बीए द्वितीय वर्ष के छात्र कृष्ण कुमार मिश्र, सेंट एंड्रयूज कॉलेज की छात्राओं आकांक्षा राय और यशी श्रीवास्तव ने लोक गीत–लोक नृत्य में स्वर्ण पदक जीता था। उस कैंप में शानदार प्रदर्शन इन स्वयंसेवकों के चयन का आधार बना। कुलपति प्रो. पूनम टंडन से चयनित स्वयंसेवकों ने मुलाकात की। कुलपति ने उन्हें शुभकामनाएं दीं। एनएसएस समन्वयक डॉ सत्यपाल सिंह ने बताया कि चार स्वयंसेवकों का चयन उत्साहजनक है। यह पहली बार है, जब स्वतंत्रता दिवस पर स्वयंसेवकों को मुख्य कार्यक्रम के लिए दिल्ली बुलाया गया है। कार्यक्रम अधिकारी डॉ मनीष पांडेय, डॉ आशीष शुक्ल, डॉ आलोक कुमार, डॉ वंदना सिंह, डॉ प्रभुनाथ प्रसाद, डॉ अपरा त्रिपाठी, डॉ राजलक्ष्मी मिश्रा, डॉ तूलिका मिश्रा, डॉ कुसुम रावत, डॉ अखिल मिश्र, डॉ सुनील यादव, डॉ हर्षदेव वर्मा और डॉ रमेश चन्द्र आदि ने शुभकामनाएं दी है।

अदालती नोटिस

वाद के निपटारे के लिये सम्मन
(आदेश 5 के नियम 1 और 5 व्या0प्र0 संहिता 1908)
मूलवाद संख्या 737/2022
न्यायालय– श्रीमान सिविल जज (जू0डि0)/स्थान नौगढ़ जिला सिद्धार्थनगर

कल्पना चौधरी
बनाम
अजीत कुमार चौधरी

अजीत कुमार चौधरी पुत्र रामरतन चौधरी ग्राम मदरहना उर्फ दत्तुपुर खास पोस्ट शोहरतगढ़ तप्पा बंजरहा परगना नौगढ़ तहसील शोहरतगढ़ जिला—सिद्धार्थनगर

तारीख पेशी 01—08—2024

प्रतिवादी वादिनी ने आपके विरुद्ध के लिये वाद संस्थित किया है। आपको इस न्यायालय में दिनांक **01—08—2024** को दिन में 10 बजे वाद का उत्तर देने के लिये उपसंजात (हाजिर) होने के लिये समन किया जाता है। आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे अधिवक्ता प्लीडर द्वारा उप संजात हो सकते हैं। जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हों और जो बात से सम्बन्धित सभी सारवान प्रश्नों का उत्तर दे सके या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति हो जो ऐसे सब प्रश्नों का उत्तर दे सके न्यायालय में आपके उप संजात के लिये जो दिन नियत किया गया है वह इस वाद के अन्तिम निपटारे के लिये नियत दिन है। इसलिये आपको उस दिन अपने उन सब साक्षियों को या उन सब दस्तावेजों को पेश करने के लिये तैयार रहना चाहिये जिन पर आप अपनी प्रतिरक्षा के लिये निर्भर रहना चाहते हैं।

आपको सूचित किया जाता है कि यदि अगर ऊपर बतायी गयी तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नहीं होंगे तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा।

यह आज तारीख 26–07–2024 को मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है।

न्यायाधीश

अदालती नोटिस

वाद के निपटारे के लिये सम्मन
(आदेश 5 के नियम 1 और 5 व्या0प्र0 संहिता 1908)
मूलवाद संख्या 532/2022
न्यायालय– श्रीमान सिविल जज (जू0डि0)/स्थान नौगढ़ जिला सिद्धार्थनगर

सुभाष कुमार आदि
बनाम
पवन कुमार जायसवाल आदि

प्रतिवादी सं0 2– श्रवण कुमार जायसवाल पुत्र जयचन्द्र ग्राम सुभाष नगर रेहरा बाजार पोस्ट उसका बाजार तप्पा नगवा परगना नौगढ़ तहसील नौगढ़ जिला—सिद्धार्थनगर

तारीख पेशी 06—08—2024

प्रतिवादी वादगण ने आपके विरुद्ध स्थाई निषेधाज्ञा के लिये वाद संस्थित किया है। आपको इस न्यायालय में दिनांक **06—08—2024** को दिन में 10 बजे वाद का उत्तर देने के लिये उपसंजात (हाजिर) होने के लिये समन किया जाता है। आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे अधिवक्ता प्लीडर द्वारा उप संजात हो सकते हैं। जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हों और जो बात से सम्बन्धित सभी सारवान प्रश्नों का उत्तर दे सके या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति हो जो ऐसे सब प्रश्नों का उत्तर दे सके न्यायालय में आपके उप संजात के लिये जो दिन नियत किया गया है वह इस वाद के अन्तिम निपटारे के लिये नियत दिन है। इसलिये आपको उस दिन अपने उन सब साक्षियों को या उन सब दस्तावेजों को पेश करने के लिये तैयार रहना चाहिये जिन पर आप अपनी प्रतिरक्षा के लिये निर्भर रहना चाहते हैं।

आपको सूचित किया जाता है कि यदि अगर ऊपर बतायी गयी तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नहीं होंगे तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा।

यह आज तारीख 26–07–2024 को मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है।

न्यायाधीश

बस व ट्रक की आमने–सामने की टक्कर, कई घायल

संवाददाता—गोरखपुर। गोरखपुर वाराणसी राजमार्ग 24पर शुक्रवार की सुबह करीब सात बजे क्षेत्र के बिस्टौली खुर्द स्थित दुर्गा मंदिर के सामने इलेक्ट्रिक बस व ट्रक की आमने–सामने की जोरदार टक्कर हो गई।जिससे ट्रक– बस ड्राइवर, कंडक्टर सहित कई यात्री गम्भीर रूप से घायल हो गये।

प्राप्त जानकारी के अनुसार गोरखपुर से सवारी भर कर जा रही इलेक्ट्रिक बस के रूट डायवर्जन की वजह से विपरीत दिशा से उसी लेन में आ रही ट्रक से आमने–सामने की जोरदार टक्कर हो गई। जिसमें ट्रक ड्राइवर 45 वर्षीय सुभाष राजभर निवासी मेहनाजपुर जिला आजमगढ़, बस कंडक्टर रवीश कुमार सिंह उम्र 30 वर्ष को सिर व हाथ में गंभीर चोट आई।बस ड्राइवर अभिषेक उम्र 45 वर्ष के पैर में चोट लगी तथा बस में सवार पुतना देवी 50 वर्ष निवासी बघराई व महेंद्र पांडेय 80वर्ष निवासी बांसगांव भी गम्भीर रूप से घायल हो गये।अन्य सवार यात्रियों को मामूली चोट आई थी। गाड़ियों की जोरदार टक्कर की आवाज पर पहुंचे ग्रामीणों ने सभी घायलों को बाहर निकाला,और एन एच आई के एंबुलेंस से इलाज हेतु जिला अस्पताल भेज दिया।

अदालती नोटिस

संख्यांक 6
मृतक प्रतिवादी के विधिक प्रतिनिधि को समन (आदेश 22 का नियम 4)
वाद सं0 224/2018
न्यायालय– श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) नौगढ़ जिला सिद्धार्थनगर

सोनमती आदि
बनाम
मृतक केवली

1/1 सोहराती 1/2 भुलकी 1/3 सानू 1/4 शान्ती 1/5 प्रेमा 1/6 ज्ञानमती 1/7 कौशकी 1/8 अन्जनी पुत्रीगण स्व0 कल्पनाथ स्व0 केवली माता साकिन कोड़रताल तप्पा डबरा परगना तहसील नौगढ़ जिला सिद्धार्थनगर

तारीख पेशी 28—08—2024

वादी/वादीगण ने इस न्यायालय में दिनांक को प्रतिवादी के विरूद्ध वाद संस्थित किया था। प्रतिवादी की अब मृत्यु हो चुकी है और उक्त वादी ने यह अभिकथन करते हुये इस न्यायालय में आवेदन किया है कि आप उक्त मृतक के विधिक प्रतिनिधि है और यह इच्छा प्रकट की है कि आपको उसके बदले में प्रतिवादी बनाया जाए।

आपको सम्मन किया जाता है कि आप उक्त वाद में प्रतिरक्षा करने के लिये दिनांक **28—08—2024** को 10:00 बजे पूर्वान्ह इस न्यायालय में हाजिर हों और यदि आप ऊपर बतायी गयी तारीख को उपसंजात नहीं होंगे तो वाद की सुनवाई और उसका अवधारण आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा।

न्यायाधीश

अदालती नोटिस

(हेतु सन्दर्शित करने की सूचना साधारण प्रारूप)
न्यायालय– श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) खलीलाबाद बस्ती जिला–बस्ती
वाद सं0 407/83

भागीरथी
बनाम
ओरी आदि

1. अध्यक्ष भूमि प्रबन्धक समिति ग्राम बहोरवाघाट तप्पा कोड़री परगना बांसी पूरब तहसील बांसी जिला–सिद्धार्थनगर जरिए ग्राम प्रधान बहोरवा
2. सरकार उत्तर प्रदेश जरिये जिलाधिकारी सिद्धार्थनगर

तारीख पेशी 13—08—2024

चूंकि उपरिनामांकित ने इस न्यायालय में आवेदन किया है कि अतएवं आपके एतद द्वारा चेतावनी दी जाती है कि आप इस आदेश के खिलाफ हेतु सन्दर्शित करने के लिये 2024 के माह 08 के 13 दिवस को 10.00 बजे पूर्वान्ह में स्वयं या सम्पर्क रूपेण अनुर्दिष्ट अपने अधिवक्ता द्वारा उपस्थित हो और ऐसा न करने पर उक्त आवेदन एक पक्षीय रूप से सुना जायेगा।

मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा सहित आज सन 2024 के माह 07 के 26 दिवस को निकाली गयी।

द0 हाकिम

अभिभावक अपने बच्चों को अनुबंधित वाहनों से ही भेजें

संवाददाता—संतकबीरनगर। डीएम महेंद्र सिंह तंवर ने स्कूली बच्चों की सुरक्षा के लिए कहा कि अभिभावक अपने बच्चों को अनुबंधित वाहनों से ही भेजें। डग्गामार वाहनों से भेजने से बचें। उन्होंने कहा कि बच्चों को अनुबंधित वाहन, बस से ही विद्यालय में भेजें, अनाधिकृत रूप से चल रहे डग्गामार वाहनों अथवा टैक्सी से न भेजें। साथ ही निर्देश दिया कि कोई भी वाहन अनधिकृत रूप से बच्चों को न ले जाए, सारे वाहनों का स्कूलों से अनुबंध होना आवश्यक है। अनधिकृत रूप से बच्चों को ले जाने के लिए टैंपो, ऑटो, मैजिक इत्यादि वाहनों पर पूर्णतः प्रतिबंध लगाए जाने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि जितने भी मानक विहीन वाहन मिलें उसे तत्काल सीज किया जाए।

डीएम ने कहा कि वाहन स्वामी वाहनों का फिटनेस सही करा लें। एआरटीओ से कहा कि जितने भी अनफिट वाहन हैं स्कूल में उनको नोटिस दिया जाए और अगर एक सप्ताह में फिटनेस न कराएं तो उनका पंजीयन निरस्त कर दिया जाए। उन्होंने कहा कि 15 साल से अधिक पुराने वाहन जो कि अस्तित्व विहीन हों उनके स्वामी अपना पंजीयन निरस्त कराएं।

जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि स्कूल की हर क्लास में एक नोडल रोड सेफ्टी कप्तान हो जो बच्चों को रोड रूल्स के बारे में जानकारी दे। 18 वर्ष से कम आयु के बच्चों को अपने निजी वाहन से स्कूल न आएं और उनको स्कूलों में आने की अनुमति न दी जाए। बैठक में जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि चालक और परिचालक का चरित्र सत्यापन अवश्य हो। अभिभावक इस बात को खुद भी सुनिश्चित करें। उन्होंने मुख्य चिकित्साधिकारी को वाहन चालक के स्वास्थ्य फिटनेस की जांच करने के लिए निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि चालक के पास वैध आईडी अवश्य हो।

दैनिक
भारतीय बस्ती

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।
सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय

प्रबन्ध सम्पादक–दिनेश सिंह
संयुक्त सम्पादक–प्रदीप चन्द्र पाण्डेय
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय–
चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय–
आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच, कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय–
इलाहीबाग गोरखपुर।
मो09450567450 9336715406,
ईमेलbhartiyabasti@yahoo.com
bhartiyabasti@gmail.com